दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पहले वनडे से पहले विराट कोहली के घुटने में दर्द ने भविष्य के लिए चिंता बढ़ाई

6 अवैध प्रवासियों की बेहूदा तरीके से वापसी से जुड़े सवाल

7 पूजा हेगड़े बच्चों की फिल्म में करना चाहती हैं काम

फर्स्ट टेक

अर्जेंटीना विश्व स्वास्थ्य संगठन का हिस्सा नहीं रहेगा : राष्ट्रपति जेवियर माइली

ब्यूनस आयर्स/एपी। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ ''गंभीर मतभेदों'' के कारण संयुक्त राष्ट्र एजेंसी से अपने देश के हटने का आदेश दिया है। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति जेवियर माइली का निर्णय उनके सहयोगी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्णय से मेल खाता है, जिन्होंने 21 जनवरी को पदभार ग्रहण करने के पहले ही दिन एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर कर अमेरिका को डब्ल्यूएचओ से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। डब्ल्यूएचओ से एक और सदस्य देश के चले जाने से वैश्विक स्वास्थ्य में सहयोग और अधिक कम हो जाएगा।

राजनाथ ने अमेरिका के रक्षा मंत्री के साथ फोन पर बातचीत की

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ बृहस्पतिवार को भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ करने के लिए खुफिया, साजो सामान और औद्योगिक सहयोग के क्षेत्रों सहित एक महत्वाकांक्षी एजेंडे पर काम करने को सहमत हुए। सिंह ने कहा कि हेगसेथ ने फोन पर हुई बातचीत में, द्विपक्षीय रक्षा संबंधों के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। यह बातचीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित वाशिंगटन यात्रा से पहले हुई है। रक्षा मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने और हेगसेथ ने भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग की समीक्षा की तथा द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के तरीकों पर चर्चा की।

ओडिशा के गंजाम में काले हिरणों की संख्या बढ़कर 8,789 हुई

बरहमपुर/भाषा। ओडिशा के गंजाम जिले में काले हिरणों की संख्या बढ़कर 8,789 हो गई है। वन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि वन विभाग की ओर से 29 जनवरी को जिले के तीनों वन प्रभागों में कराई गई द्विवार्षिक गणना में काले हिरणों की कुल संख्या 8,789 दर्ज की गई। वर्ष 2023 में गंजाम में काले हिरण की संख्या 7,745 और 2018 में 4,082 आंकी गई थी। नवीनतम गणना के अनुसार, जिले में मौजूद कुल काले हिरण में 5,241 मादा, 1,765 नर और 1,783 अवयस्क काले हिरण शामिल हैं। वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (संशोधित 1992) के तहत काले हिरण को अनुसूची-1 में रखा गया है और इसे रेड डेटा बुक में 'संकटग्रस्त' श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया है।

सूर्यास्त 07-02-2025	सूर्योदय 08-02-2025
6:12 बजे	6:33 बजे

BSE	NSE
78,058.16	23,603.35
(-213.12)	(-92.95)

सोना	चांदी
8,907 रु.	107,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पोल का ढोल

सब एग्जिट पोलों ने बोली,
अपने अपने मत की भाषा।
आएगा संभावित वो ही,
जिसकी सर्वाधिक प्रत्याशा।
जाने क्यों है मतदाता पर,
प्रतिपक्षी को गुस्सा खासा।
हो जाए अप्रत्याशित कुछ,
बैठे दल ले करके आशा।।

मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में

वायुसेना का मिराज लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, दोनों पायलट सुरक्षित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर/भाषा। वायुसेना का एक मिराज-2000 लड़ाकू विमान सिस्टम में खराबी के कारण बृहस्पतिवार दोपहर मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए, लेकिन उन्हें मामूली चोटें आईं और उन्हें हेलीकॉप्टर से ग्वालियर ले जाया जा रहा है।

'सेंट्रल एयर कमान' के प्रवक्ता ने बताया कि दोपहर करीब दो बजकर 40 मिनट पर बरहेटा सानी गांव के पास खेत में दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद दो सीट वाले प्रशिक्षण विमान में आग लग गई। उन्होंने बताया कि विमान में खराबी के कारण यह दुर्घटना हुई।

वायुसेना ने 'एक्स' पर पोस्ट किया,''आज नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान शिवपुरी (ग्वालियर) के पास भारतीय वायुसेना का मिराज 2000 विमान सिस्टम में खराबी आने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए। वायुसेना ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिए हैं।''

अधिकारियों ने बताया कि शिवपुरी जिले के एक गांव के पास खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुए इस विमान ने ग्वालियर एयरबेस से उड़ान भरी थी।

शिवपुरी जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले ने बताया,''ग्रामीणों ने सूचना दी कि करेरा थाना क्षेत्र में बरहेटा सुनारी गांव के पास एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। मिराज विमान ने दो पायलटों के साथ ग्वालियर एयरबेस से उड़ान भरी थी। दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए और उन्हें मामूली चोटें आईं।

कांग्रेस के लिए 'फैमिली फर्स्ट', हमारे के लिए 'नेशन फर्स्ट': मोदी

■ प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव पर सदन में दो दिन की चर्चा का जवाब देते हुए विपक्ष पर किया प्रहार

■ कांग्रेस के दौर में योजनाओं को अटकाने, भटकाने और लटकाने की संस्कृति थी तथा दुनिया में हिन्दू ग्रोथ रेट के नाम से हिन्दू समाज को बदनाम किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राज्यसभा में कांग्रेस पर तीखे हमले करते हुए कहा कि पार्टी एक परिवार का साथ देने की अपनी राजनीति में अटकी हुई है जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार 'सबका साथ सबका विकास' के मंत्र के साथ काम करती है और लगातार तीसरी बार भरोसा अर्जित करने में कामयाब रही है।

मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव पर सदन में दो दिन की चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस का माडल फैमिली फर्स्ट का है जबकि राजग सरकार ''नेशन फर्स्ट के मानदंड को अपनाकर देश की सेवा करती है। उन्होंने कहा कि विगत में कांग्रेसी सरकारों की नीति में भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण का घालमेल रहा है। कांग्रेस के लिए परिवार सबसे पहले हैं। इसलिए उनका संपूर्ण बल इसमें लगता रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग सरकार शत प्रतिशत संतुष्टिकरण की नीति को लेकर अपनी योजनायें बनाकर चला रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दौर में योजनाओं को अटकाने, भटकाने और लटकाने की संस्कृति थी तथा कोटा परमिट व्यवस्था से भारत में लंबे समय तक वृद्धि दर निम्न रही जिससे दुनिया में हिन्दू ग्रोथ रेट के नाम से हिन्दू समाज को बदनाम किया गया। उन्होंने कहा कि भारत सदियों से मुक्त व्यापार करने वाला देश रहा है।

मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण में संविधान निर्माताओं की भावनाओं का आदर किये जाने के आह्वान का उल्लेख करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से हमला किया। उन्होंने किसी का नाम लिये बगैर कहा कि संविधान को लेकर जेब में लेकर घूमने वाले लोग जातिवादी जहर की राजनीति कर रहे हैं जबकि हम संविधान की भावनाओं के अनुरुप काम करते हैं। उन्होंने कहा, '' हम संविधान को जीते हैं और संविधान निर्माताओं के सपनों को साकार करने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि राजग सरकार ने बिना तनाव के एसटी एससी अधिनियम को मजबूत किया है, सामान्य वर्ग के गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की, दिव्यांगों और ट्रांसजेंडर के लिए विशेष व्यवस्थायें की लेकिन कुछ लोग जातिवाद का जहर बोने में लगे हैं।

मोदी ने कहा कि उनकी सरकार देश के संसाधनों और समय का सर्वोत्तम उपयोग करने की प्रतिबद्धता से काम कर रही है और विकास के साथ जन कल्याण को भी आगे बढा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय में आरक्षण के मुद्दे पर राजनीति की गयी। एक दूसरे के विरुद्ध संघर्ष रचा गया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित राष्ट्र का रास्ता मजबूत बुनियादी ढांचे की राह से गुजरता है और देश को विकसित राष्ट्र बनाने में युवा पीढी की सबसे बडी भूमिका है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से विकसित भारत के लक्ष्य को देश की 140 करोड़ जनता के लक्ष्य के रुप में लेकर चलने का आह्वान किया और आगाह किया कि जो लोग अपने को इससे अलग करेंगे , जनता उन्हें अलग कर देगी।

चंद्रयान-4 को 2027 में अंतरिक्ष में भेजा जाएगा : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा है कि भारत वर्ष 2027 में चंद्रयान-4 मिशन को लॉन्च करेगा, जिसका उद्देश्य चंद्रमा की सतह से चट्टानों के नमूने एकत्र कर पृथ्वी पर लाना है। चंद्रयान-4 मिशन के तहत दो अलग-अलग प्रक्षेपण किये जाएंगे, जिनमें अत्यधिक वजन ले जाने वाले प्रक्षेपण यान (एलवीएम) के माध्यम से मिशन के पांच उपकरणों को भेजा जाएगा। उन्हें अंतरिक्ष में एक-दूसरे से जोड़ा जाएगा।

सिंह ने पीटीआई-वीडियो को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''चंद्रयान-4 मिशन का लक्ष्य चंद्रमा की सतह से नमूने एकत्र करना और उन्हें पृथ्वी पर लाना है।''

मंत्री ने बताया कि गगनयान को अगले साल अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। मिशन के अंतर्गत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजा जाएगा और सुरक्षित रूप से धरती पर वापस लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि समुद्र की सतह का अन्वेषण करने के लिए 2026 में भारत समुद्रयान को लॉन्च करेगा, जिसमें तीन वैज्ञानिकों को एक विशेष पनडुब्बी के जरिये महासागर की 6,000 मीटर गहराई तक भेजा जाएगा। सिंह ने कहा, ''यह उपलब्धि भारत के अन्य प्रमुख मिशन के तर्ज पर होगी और यह वैज्ञानिक उत्कृष्टता की ओर देश की यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम होगा।'' उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर अपने भाषण में समुद्रयान मिशन का जिक्र किया था।

मंत्री ने कहा कि समुद्रयान मिशन महत्वपूर्ण खनिज, दुर्लभ धातुओं और अज्ञात समुद्री जैव विविधता तलाशने में मदद करेगा और देश की आर्थिक प्रगति और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

गगनयान मिशन के तहत रोबोट 'व्योममित्र' को इस वर्ष अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शीघ्र सुधार की आवश्यकता : मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत प्रमुख बहुपक्षीय निकायों में शीघ्र और व्यापक सुधार की आवश्यकता पर बल दिया ताकि समकालीन वैश्विक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित किया जा सके। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 79वें सत्र के अध्यक्ष फिलेमोन यांग ने यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की। मुर्मू ने यांग का स्वागत करते हुए कहा कि 2025 में विकास के लिए वित्तपोषण पर चौथा सम्मेलन और तीसरा संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन जैसे महत्वपूर्ण संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन आयोजित किये जायेंगे। मुर्मू ने यांग को इन सभी मंचों पर भारत की सक्रिय और रचनात्मक भागीदारी का आश्वासन दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत प्रमुख बहुपक्षीय निकायों में शीघ्र और व्यापक सुधार की आवश्यकता पर बल दिया।

अमेरिका से भारत भेजे जा रहे भारतीय नागरिकों के मुद्दे पर लोकसभा तथा राज्यसभा में दिये बयान में विदेश मंत्री ने कहा

अनधिकृत अप्रवासियों की वापसी नियमानुसार : जयशंकर

■ सरकार ने सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा का ख्याल रखा जाएगा और कानूनी प्रक्रिया पालन होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने संसद में गुरुवार को कहा कि अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीय नागरिकों की वापसी निर्धारित प्रावधानों के अनुसार होगी।

डॉ. जयशंकर ने अमेरिका से भारत भेजे जा रहे भारतीय नागरिकों के मुद्दे पर गुरुवार को लोकसभा तथा राज्यसभा में दिये बयान में कहा कि सरकार सिर्फ वैध आवागमन के पक्ष में हैं और अवैध गतिविधियों को रोकने का प्रयास करती है। अमेरिका से जो भी वापसी हो रही है, उनकी जांच की गयी है और आगे भी जारी रहेगी तथा इस प्रक्रिया में अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। विदेश मंत्री ने वर्ष 2009 से लेकर 2024 तक अनधिकृत तरीके से गये नागरिकों की वापसी के आंकडों का हवाला देते हुए कहा कि यह कोई नया मुद्दा नहीं है और इसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित नियम और प्रक्रियाएं अपनायी जाती हैं। उन्होंने कहा कि 2009 में 734 नागरिकों की वापसी की गई थी। इसी प्रकार 2010 में 799, 2011 में 597, 2012 में 530, 2013 में 515 और 2014 में 591 अनधिकृत तरीके से गये नागरिकों को वापस किया गया।

उन्होंने कहा कि विदेशों और अमेरिका से वापसी की प्रक्रिया लगातार रही है और प्रतिवर्ष होती है। सभी की वापसी निर्धारित मानक प्रक्रिया से होती है। इसके लिए नागरिक और सैन्य विमानों का प्रयोग होता है। सरकार ने सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा का ख्याल रखा जाएगा और कानूनी प्रक्रिया पालन होगा।

डॉ. जयशंकर ने कहा, अमेरिका द्वारा निर्वासन को आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा आयोजित और निष्पादित किया जाता है। यह मानक संचालन प्रकिया को आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) द्वारा उपयोग किये जाने वाले विमान से निर्वासन के लिए प्रयुक्त होती है और जो 2012 से प्रभावी है, निर्वासितों के नियंत्रण में सहायक होती है। हालांकि हमें आईसीई द्वार सूचित किया गया है कि महिलाओं और बच्चों पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। इसके अलावा पारगमन के दौरान भोजन और संभावित चिकित्सा आपात स्थितियों और अन्य आवश्यकताओं से संबंधित निर्वासित लोगों की जरुरतों पर ध्यान दिया जाता है।

भारत के संतों ने देश की संस्कृति, एकता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

आचार्य विद्यासागर का जीवन धर्म, संस्कृति और राष्ट्र को समर्पित रहा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ जैन मुनियों ने पूरे देश को एक करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उत्तर प्रदेश के हस्तिनापुर से लेकर कर्नाटक के श्रवणबेलगोला तक, बिहार के राजगीर से लेकर गुजरात के गिरनार तक हर जगह पैदल घूम कर अपने कर्मों से अपने त्याग का संदेश दिया।

डोंगरगढ़ (छत्तीसगढ़)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत के संतों ने देश की संस्कृति, एकता को बनाए रखने और ज्ञान के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शाह ने कहा कि आजादी के बाद जब देश और सरकार पश्चिमी विचारों से प्रभावित होने लगी, तब जैन संत आचार्य विद्यासागर महाराज ही एकमात्र ऐसे संत थे, जिन्होंने भारत, भारतीयता, भारतीय संस्कृति, हमारे धर्म और हमारी भाषाओं को संरक्षण देने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि आचार्य विद्यासागर का जीवन धर्म, संस्कृति और राष्ट्र को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि पूरे देश को एक करने का काम जैन आचार्यों और मुनियों ने किया है।

शाह छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ शहर में आचार्य विद्यासागर जी महामुनिराज के 'प्रथम समाधि स्मृति महोत्सव' को संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने भारत की संत परंपरा बहुत समृद्ध होने का दावा करते हुए कहा कि देश को जब जिस भूमिका की ज़रूरत पड़ी, संत परंपरा ने उस भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने कहा, ''संतों ने ज्ञान का सृजन किया, देश को एकता के सूत्र में बांधा और जब गुलामी का कालखंड था, तब संतों ने भक्ति के माध्यम से राष्ट्र चेतना की लौ जलाए रखी। आज़ादी के बाद जब देश पाश्चात्य विचारों से प्रभावित होकर चलने लगा, तब विद्यासागर जी महाराज एकमात्र आचार्य थे जिन्होंने भारत, भारतीयता और भारतीय संस्कृति से खुद को जोड़े रखा।''

शाह ने कहा, ''जैन मुनियों ने पूरे देश को एक करने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। उत्तर प्रदेश के हस्तिनापुर से लेकर कर्नाटक के श्रवणबेलगोला तक, बिहार के राजगीर से लेकर गुजरात के गिरनार तक हर जगह पैदल घूम कर अपने कर्मों से अपने त्याग का संदेश दिया। आचार्य जी ने हमें सिखाया कि हमारी पहचान हमारी संस्कृति में निहित है।''

उन्होंने कहा, ''आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एक युग पुरुष थे, जिन्होंने एक नए विचार और नए युग का प्रवर्तन किया।

बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों ने अवामी लीग के नेताओं के घरों को निशाना बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के कई नेताओं के घरों में तोड़फोड़ की और देश के संस्थापक नेता शेख मुजीबुर रहमान के ढाका स्थित एक स्मारक में तोड़फोड़ के साथ ही उनके भित्ती चित्रों को नुकसान पहुंचाया।

सोशल मीडिया पर बुलडोजर जुलूस के आह्वान के बाद देश की राजधानी ढाका के धानमंडी इलाके में मुजीबुर रहमान के आवास के बाहर बुधवार रात बड़ी संख्या में लोग इकट्ठे हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने तोड़फोड़ और आगजनी की घटना को उस समय अंजाम दिया जब मुजीबुर रहमान की बेटी और अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना लोगों को डिजिटल माध्यम से संबोधित करने वाली थीं।

बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों में भी तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं।

हसीना ने बुधवार रात अपने संबोधन में कहा, वे एक इमारत को ध्वस्त कर सकते हैं, लेकिन इतिहास को नहीं...बल्कि उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि इतिहास अपना बदला लेता है।

हसीना के घर के बगल के भूखंड में बने अवामी लीग से जुड़े कई संगठनों के कार्यालय भी ध्वस्त कर दिए गये है। हिंसक प्रदर्शनकारियों ने मुजीबुर रहमान के भित्तिचित्रों को भी विरूपित कर दिया।

लोगों ने सुनिश्चित किया कि विधानसभा चुनावों में विपक्ष 'डूब' जाए: शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नवंबर में हुए चुनावों में 'महायुति' की प्रचंड जीत के लिए राज्य के नागरिकों की सराहना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा में इससे पहले कोई भी गठबंधन 230 सीटें जीतने में कामयाब नहीं हुआ था।

'महायुति' में भाजपा, शिवसेना और राकांपा शामिल हैं।

नांदेड़ में 'आभार सभा' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिंदे ने 'लाडकी बहिन योजना' की प्रशंसा की, जिसे उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था, और कहा कि ''भाइयों और बहनों ने सुनिश्चित किया कि चुनाव में विपक्ष डूब जाए।'' बड़ी संख्या में लोगों के उनकी पार्टी में शामिल होने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''शिवसेना किसी एक की नहीं है, यह कार्यकर्ताओं की है। बालासाहेब ठाकरे ने हमेशा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ साथी की तरह व्यवहार किया।''

उन्होंने कहा कि हालांकि, कुछ लोगों ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ नौकरों जैसा व्यवहार करना शुरू कर दिया है। यह आरोप शिंदे अक्सर पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर लगाते रहते हैं। जून 2022 में शिवसेना का विभाजन हो गया था। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह हिंगोली में बाल ठाकरे हल्दी अनुसंधान केंद्र और मराठवाड़ा क्षेत्र में मुख्य रूप से सिंचाई से जुड़ी अन्य परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करना सुनिश्चित करेंगे।

भाजपा ने टीटीडी बोर्ड से 1,000 संदिग्ध गैर-हिंदू कर्मचारियों को हटाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आंध्र प्रदेश इकाई ने बृहस्पतिवार को तिरुमाला को 'हिंदुओं का आध्यात्मिक केंद्र' करार देते हुए तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के लगभग उन 1,000 कर्मचारियों को मंदिर बोर्ड की सेवाओं से हटाने की मांग की, जिनके गैर-हिंदू धर्म के अनुसरण का संदेह है।

भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रवक्ता और टीटीडी के सदस्य भानु प्रकाश रेड्डी ने कहा कि बोर्ड के प्रतिनिधि जल्द ही मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से मिलेंगे और अनुरोध करेंगे कि गैर-हिंदुओं की सेवाओं की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, टीटीडी में 6,500 से ज्यादा स्थायी कर्मचारी और 17,000 से ज्यादा अनुबंधित कर्मचारी हैं, जिससे कुल कर्मचारियों की संख्या लगभग 24,000 हो जाती है। मुझे जानकारी मिली है कि एक हजार से ज्यादा कर्मचारी गैर-हिंदू धर्म का अनुसरण करते हैं और यही वजह है कि हम इस मामले पर कड़ा रुख अपना रहे हैं। 14 फरवरी को हम मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से मिलेंगे और अनुरोध करेंगे कि गैर-हिंदू कर्मचारियों को टीटीडी का हिस्सा न बनाया जाए।

रेड्डी ने 18 गैर-हिंदू कर्मचारियों के खिलाफ टीटीडी की अनुशासनात्मक कार्रवाई पर कहा कि माना जाता है कि उनमें से दो 'वास्तव में' हिंदू हैं इसलिए अधिकारियों से अनुरोध है कि वे उनके प्रमाण-पत्रों की फिर से जांच करें। रेड्डी ने दावा किया कि गैर-हिंदू कर्मचारियों को टीटीडी से वेतन मिलता है लेकिन वे श्री वेंकटेश्वर स्वामी का प्रसाद (पवित्र प्रसाद) स्वीकार नहीं करते। उन्होंने कहा कि टीटीडी अधिनियम के अनुसार मंदिर के अनुष्ठान केवल हिंदुओं द्वारा ही किए जा सकते हैं और सभी कर्मचारी हिंदू होने चाहिए।

टीटीडी ने हाल ही में एक आधिकारिक ज्ञापन जारी कर 18 कर्मचारियों को गैर-हिंदू गतिविधियों में कथित रूप से शामिल होने के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत मंदिर निकाय की सभी धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में भाग लेने से रोक दिया।

उधर, युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने टीटीडी के 18 कर्मचारियों के खिलाफ गैर-हिंदू गतिविधियों में कथित रूप से शामिल होने के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने के फैसले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

जगन ने कहा कि उन्हें इस मुद्दे की जानकारी नहीं है।

जगन ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए एक सवाल के जवाब में कहा कि वह इस तरह के सवालों का तुरंत जवाब नहीं दे सकते। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मुझे इन विषयों का विवरण नहीं पता। मुझे नहीं पता कि वे किस विभाग में काम करते थे या वे कहां कार्यरत हैं। मुझे नहीं पता कि ये संख्याएं कहां से आ रही हैं।

जनवरी में घर का बना खाना हुआ महंगा, थाली की कीमत बढ़ी: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। आलू, दाल और चिकन की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण जनवरी में घर का बना खाना एक साल पहले की तुलना में महंगा हो गया। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की एक इकाई की बृहस्पतिवार को जारी मासिक रोटी, चावल दर रिपोर्ट के मुताबिक, शाकाहारी थाली की तुलना में पिछले महीने मांसाहारी थाली की कीमतों में अधिक उछाल आया है। चिकन की कीमतें बढ़ने से ऐसा हुआ है।

रिपोर्ट कहती है कि आलू की कीमत में 35 प्रतिशत, दालों में सात प्रतिशत और वनस्पति तेलों में 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी के कारण शाकाहारी भोजन की कीमत बढ़कर 28.7 रुपए प्रति थाली हो गई। एक साल पहले की अवधि में इसकी कीमत 28 रुपए प्रति थाली थी। हालांकि सालाना आधार पर ईंधन की लागत में 11 प्रतिशत की कमी आने से इस महंगाई को कुछ हद तक सीमित रखने में कामयाबी मिली। क्रिसिल ने कहा कि शाकाहारी थाली की कीमत सालाना आधार पर भले ही बढ़ी है लेकिन एक महीना पहले की तुलना में इसके दाम घटे हैं। दिसंबर, 2024 में शाकाहारी थाली का दाम 31.6 रुपए प्रति थाली था। लेकिन जनवरी में मासिक आधार पर टमाटर की कीमतों में 34 प्रतिशत, आलू में 16 प्रतिशत और प्याज की कीमतों में 21 प्रतिशत की गिरावट के कारण शाकाहारी थाली की लागत घट गई।

भाजपा ने आप के सात उम्मीदवारों को पाला बदलने के लिए 15 करोड़ रुपए की पेशकश की : संजय सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया कि वह पांच फरवरी को हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने से कुछ दिन पहले आप के सात उम्मीदवारों को पार्टी बदलने के लिए उकसाने की कोशिश कर रही है।

भाजपा की ओर से इसपर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सिंह ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा ने आप के सात विधायकों को फोन किया (जिन्होंने यह चुनाव भी लड़ा है) तथा उनमें से प्रत्येक को भाजपा में शामिल होने के लिए 15 करोड़ रुपए की पेशकश की। उन्होंने कहा, कुछ लोगों को तो आमने-सामने की बैठकों में भी यह पेशकश की गई। उन्होंने कहा, इससे साफ पता चलता है कि भाजपा ने नतीजों से पहले ही अपनी हार स्वीकार कर ली है और इसीलिए वह इस तरह की कोशिश कर रही है।

सिंह ने बताया कि पार्टी ने अपने उम्मीदवारों को सलाह दी है कि यदि कोई प्रस्ताव दिया जाता है तो वे ऐसी कॉल रिकॉर्ड करें तथा आमने-सामने की किसी भी बैठक को रिकॉर्ड करने के लिए जासूसी कैमरों का इस्तेमाल करें।

दिल्ली की 70 विधानसभा सीट पर 699 उम्मीदवारों के चुनावी भाग्य का फैसला करने के लिए पांच फरवरी को मतदान हुआ था। आठ फरवरी को परिणाम घोषित होने के बाद पता चल पाएगा कि आप लगातार तीसरी बार सत्ता में आती है या भाजपा का राजधानी में वापसी के लिए 27 साल लंबा इंतजार खत्म होता है।

गिर के जंगलों में पालतू जानवरों का शिकार कर रहे हैं शेर : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गुजरात के गिर के जंगलों में शेरों द्वारा पालतू जानवरों को मारने की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं। ताजा सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2023-24 में ऐसी 4,385 घटनाएं हुईं जो सर्वाधिक हैं। गिर एशियाई शेरों का एकमात्र प्राकृतिक आवास है।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुजरात सरकार के आंकड़ों का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को राज्यसभा में बताया कि शेरों की ओर से पालतू जानवरों को मारने की घटनाएं 2019-20 में 2,605 से बढ़कर 2020-21 में 3,244; 2021-22 में 3,659; 2022-23 में 3,670 और 2023-24 में 4,385 हो गईं। उन्होंने एक सवाल के लिखित जवाब में कहा कि गिर में शेरों के लिए पर्याप्त शिकार आधार है और शिकार करने वाले जानवरों की संख्या बढ़ रही है। आंकड़ों से पता चलता है कि गिर के जंगल में शिकार के लिए उपलब्ध जानवरों की संख्या वर्ष 2019 में 1,55,659 से बढ़कर वर्ष 2022 में 2,02,993 और वर्ष 2024 में 2,13,391 हो गई। जून 2020 में गुजरात में एशियाई शेरों की आबादी 674 थी, जो 2015 में 523 थी। 'नेचर' पत्रिका में 2022 में प्रकाशित एक वैज्ञानिक रिपोर्ट से पता चला है कि 48 प्रतिशत शेर संरक्षित क्षेत्रों के बाहर फैल चले गए थे।

2024 में 28 लाख से अधिक जन शिकायतों का निपटारा किया गया : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि पिछले साल 28 लाख से अधिक जन शिकायतों का निपटारा किया गया। ये शिकायतें केंद्रीयकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीग्राम्स) पर प्राप्त हुईं।

कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2024 में सीपीग्राम्स पर 28,33,836 शिकायतों का निपटारा किया गया, जिनमें से 20,71,667 शिकायतें विभिन्न मंत्रालयों और विभागों से संबंधित थीं और 7,62,169 शिकायतें राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित थीं। उन्होंने कहा कि 12 महीनों में से प्रत्येक में एक लाख से अधिक शिकायतों का निपटारा किया गया।

सिंह ने कहा कि भारत सरकार के मंत्रालयों और विभागों द्वारा एक सितंबर, 2024 से 31 दिसंबर, 2024 के बीच 21 दिन के भीतर 3,66,730 शिकायतों का निवारण किया गया।

मंत्री ने कहा, ''90 मंत्रालयों व विभागों ने सीपीग्राम्स पोर्टल पर 54,106 शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त किए हैं।'' उन्होंने कहा कि इन 90 मंत्रालयों और विभागों में से 28 मंत्रालयों और विभागों को 2024 में 10,000 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं।

उद्योग को जोखिम उठाना चाहिए, रोजगार देने चाहिए : वित्त सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त सचिव तुहिन कांत पांडेय ने बृहस्पतिवार को कंपनियों से जोखिम उठाने, नई फैक्टरी लगाने और रोजगार सृजन करने को कहा। उन्होंने कहा कि आम बजट में किए गए उपायों से वैश्विक चुनौतियों के बीच आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी और भारत न केवल दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा, बल्कि इसकी गति भी तेज होगी।

पांडेय ने यहां पीएचडी चैंबर में एक कार्यक्रम में कहा, ''आपको जोखिम उठाना चाहिए। आप जोखिम उठा रहे हैं, इसलिए आप उद्यमी हैं, और आप जोखिम से बच नहीं सकते। आपको फैक्ट्रियां लगानी होंगी। आपको रोजगार सृजन करना होगा। इसलिए हमें आपकी 'एनिमल स्प्रिट' को बढ़ाने की जरूरत है।'' प्रसिद्ध ब्रिटिश अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स ने 'एनिमल स्पिरिट' शब्द गढ़ा था। आर्थिक तनाव या अनिश्चितता के समय में अगर निवेशक और उपभोक्ता जोखिम लेने तथा अधिक खर्च करने के लिए तैयार रहते हैं, तो कहा जाता है कि 'एनिमल स्पिरिट' बढ़ी हुई है। 'एनिमल स्पिरिट' कम होने पर निवेशक और उपभोक्ता अधिक सतर्क और रुढ़िवादी हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब उद्यमी नए निवेश करते हैं, जोखिम उठाते हैं और संस्थान बनाते हैं, तो इससे रोजगार सृजन होता है और वृद्धि का चक्र आगे बढ़ता है।

जोमैटो बोर्ड ने कंपनी का नाम बदलकर 'इटर्नल' करने को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन ऑर्डर लेकर खानपान और किराने का सामना पहुंचाने वाली कंपनी जोमैटो ने अपना नाम बदलकर इटर्नल कर लिया है। कंपनी के निदेशक मंडल (बोर्ड) ने बृहस्पतिवार को इसे मंजूरी दी।

शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक इसके लिए कंपनी के शेयरधारकों, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय और अन्य वैधानिक प्राधिकरणों की मंजूरी ली जानी है। हालांकि, कंपनी के खाद्य वितरण व्यवसाय का ब्रांड नाम और ऐप का नाम 'जोमैटो' ही रहेगा। जोमैटो के संस्थापक और सीईओ दीपिंदर गोयल ने शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में कहा, ''हमारे बोर्ड ने आज इस बदलाव को मंजूरी दी है और मैं अपने शेयरधारकों से भी इस बदलाव का समर्थन करने का अनुरोध करता हूं। अगर इसे मंजूरी मिल जाती है, तो हमारी कॉरपोरेट वेबसाइट का पता 'जोमैटो डॉट कॉम' से बदलकर 'इटर्नल डॉट कॉम' हो जाएगा।'' उन्होंने बताया कि इटर्नल में अभी चार प्रमुख व्यवसाय शामिल होंगे - जोमैटो, ब्लिंकिट, डिस्ट्रिक्ट और हाइपरप्योर। उन्होंने कहा, ''जब हमने ब्लिंकिट का अधिग्रहण किया, तो हमने कंपनी और ब्रांड/ऐप के बीच अंतर करने के लिए आपस में जोमैटो की जगह इटर्नल का इस्तेमाल शुरू कर दिया था। हमने यह भी सोचा कि जिस दिन जोमैटो के अलावा कुछ भी हमारे भविष्य का एक महत्वपूर्ण चालक बन जाएगा, हम सार्वजनिक रूप से कंपनी का नाम बदलकर इटर्नल कर देंगे।''

अजीम प्रेमजी, रंजन पई की इकाइयों ने अकासा एयर में निवेश किया

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति अजीम प्रेमजी की वैश्विक निवेश इकाई और मणिपाल समूह के प्रमुख रंजन पई के पारिवारिक कार्यालय ने देश की सबसे नई विमानन सेवा अकासा एयर में हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक अज्ञात राशि का निवेश किया है। एयरलाइन ने बयान में कहा कि प्रवर्तक झुनझुनवाला परिवार ने भी अकासा में और अधिक कोष डालने का वादा किया है।

बयान में कहा गया है, भारत की सबसे तेजी से बढ़ती एयरलाइन अकासा एयर में नई पूंजी डालने के लिए प्रमुख निवेशकों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। विप्रो के संस्थापक प्रेमजी की वैश्विक निवेश इकाई प्रेमजी इन्वेस्ट, रंजन पई के निवेश कार्यालय क्लेपॉन्ड कैपिटल और एक प्रमुख परिसंपत्ति प्रबंधन फर्म 360 वन एसेट द्वारा प्रबंधित कोष सहित भारत के बेहतरीन निवेशकों के समूह ने अकासा एयर के साथ निवेश समझौते किए हैं। हालांकि एयरलाइन ने इन निवेश समझौतों का कोई ब्योरा नहीं दिया है। एयरलाइन ने कहा कि स्वतंत्र रूप से झुनझुनवाला परिवार ने भी अकासा एयर में अतिरिक्त पूंजी निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है।

आंध्र प्रदेश सरकार ने ऋण लेने में रिकॉर्ड तोड़े: पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रमुख वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर निशाना साधते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार ऋण जुटाने के मामले में रिकॉर्ड तोड़ रही है।

जगन ने बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि तेलुगु देशम पार्टी सुप्रीमो ने 143 चुनावी वादे किए थे और जब सत्ता में आने के बाद क्रियान्वयन की बात आई तो नायडू ने कहा कि राज्य वित्तीय संकट में है, इसलिए कल्याणकारी योजनाएं लागू करना अभी मुश्किल होगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार पर हमला करते हुए कहा कि रोजगार सृजन के विपरीत, सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने 2.5 लाख स्वयंसेवकों और राज्य के स्वामित्व वाली पेय पदार्थ निगम के 18,000 कर्मचारियों की नौकरियां छीन ली।

जगन ने कहा, इस नौ महीने की अवधि के दौरान, उन्होंने (सरकार ने) ऋण जुटाने के मामले में रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। किसी भी राज्य सरकार ने कभी इतना अधिक ऋण (इतने कम समय में) नहीं जुटाया है। जगन के अनुसार, राज्य सरकार ने पिछले नौ महीनों में लगभग 90,000 करोड़ रुपए का ऋण जुटाया है और 52,000 करोड़ रुपए और उधार लेने की योजना बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि नायडू के नेतृत्व वाली सरकार पिछली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार के दौरान शुरू हुई बंदरगाह और मेडिकल कॉलेज परियोजनाओं के निजीकरण की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने अम्मा वोडी, रुथी भरोसा जैसी कई योजनाएं बंद कर दी हैं। जगन ने कहा हाल में तिरुपति नगर निगम के उप महापौर का चुनाव लोकतंत्र के मजाक का उदाहरण था। नगर निगम में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के पास 49 में से 48 सीटें होने के बावजूद तेलुगु देशम पार्टी चुनाव

कांग्रेस नीत सरकारों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार था : आठवले

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बृहस्पतिवार को सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री नेता रामदास आठवले ने पिछली कांग्रेस सरकारों के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाया और दावा किया कि उसमें देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आवश्यक 'दूरदर्शिता का अभाव' है। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के अध्यक्ष आठवले राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा में भाग ले रहे थे। उन्होने कहा, ''देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए दूरदर्शिता की जरूरत होती है। कांग्रेस में दूरदर्शिता की कमी थी। वह हमेशा भ्रष्टाचार में लिप्त रही। इसने 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया, लेकिन गरीबी के बदले गरीबों को हटा दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला।''

अदालतों में लंबित 7 लाख मामलों में सरकार है पक्षकार : मेघवाल

नई दिल्ली/भाषा। विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि अदालतों में लंबित लगभग सात लाख मामलों में केंद्र सरकार पक्षकार है और सिर्फ वित्त मंत्रालय लगभग दो लाख मामलों में वादी है। मेघवाल ने एक सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी। उन्होंने ''विधिक सूचना प्रबंधन एवं ब्रीफिंग प्रणाली मंच'' (एलआईएमबीएस) पर उपलब्ध आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि लगभग सात लाख मामले लंबित हैं जिनमें भारत सरकार एक पक्षकार है। उन्होंने कहा कि इनमें से लगभग 1.9 लाख मामलों में वित्त मंत्रालय को एक पक्षकार के रूप में उल्लेखित किया गया है। मंत्री ने कहा कि आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2018 के अधिनियमन और सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद, केंद्र सरकार ने त्वरित निपटान विशेष अदालतों (एफटीएससी) की स्थापना के लिए एक योजना शुरू की।

देश में स्थायी ध्रुवीकरण के लिए यूसीसी को साधन नहीं बनाया जा सकता : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू होने तथा गुजरात में इसको लेकर एक समिति का गठन किए जाने का हवाला देते हुए बृहस्तिवार को कहा कि यह देश को स्थायी तौर पर ध्रुवीकरण की स्थिति में रखने के लिए बनाया गया राजनीतिक साधन नहीं बन सकता।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता को जबरन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विभाजनकारी एजेंडे के एक अभिन्न हिस्से के रूप में लागू किया गया है। रमेश ने एक बयान में कहा, ''गुजरात सरकार ने राज्य में लागू की जाने वाली समान नागरिक संहिता तैयार करने के लिए एक समिति के गठन की घोषणा की है। यह घोषणा उत्तराखंड सरकार द्वारा हाल ही में राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने के बाद की गई है , हालांकि, अनुसूचित जनजातियों को इसमें छूट दी गई है।'' उनके अनुसार, मोदी सरकार द्वारा नियुक्त 21वें विधि आयोग ने 31 अगस्त, 2018 को 182 पृष्ठों का 'पारिवारिक कानून में सुधार पर परामर्श पत्र' प्रस्तुत किया था जिसमें कहा गया था कि वर्तमान समय में समान नागरिक संहिता न तो आवश्यक है और न ही उसकी जरूरत है। रमेश ने कहा, ''इसके बाद, 14 जून, 2023 को प्रकाशित एक प्रेस नोट में, भारत के 22वें विधि आयोग ने समान नागरिक संहिता के विषय की जांच करने के अपने इरादे को अधिसूचित किया। प्रेस नोट में स्पष्ट किया गया था कि यह कार्य विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा भेजे गए संदर्भ पर किया जा रहा है। हालांकि, 22वें विधि आयोग को समान नागरिक संहिता पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत किए बिना 31 अगस्त 2024 को समाप्त कर दिया गया। 23वें विधि आयोग की घोषणा 3 सितंबर, 2024 को की गई थी, लेकिन इसकी संरचना अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तराखंड सरकार द्वारा लागू समान नागरिक संहिता खराब तरीके से तैयार किया कानून है, जो अत्यधिक हस्तक्षेपकारी है।

सोना 270 रुपए चढ़कर 86,070 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सोने में रिकॉर्ड तेजी का सिलसिला बृहस्पतिवार को जारी रहा और राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 270 रुपए चढ़कर 86,070 रुपए प्रति 10 ग्राम के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं।

रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया और शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोना 270 रुपए की तेजी के साथ 85,670 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। मंगलवार को यह धातु 85,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। दिल्ली विधानसभा चुनाव के कारण बुधवार को सर्राफा बाजार बंद थे।

बाजार सूत्रों ने कहा कि स्थानीय आभूषण विक्रेताओं की सतत लिवाली, कमजोर रुपए और शेयर बाजार में गिरावट के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई। इस साल सुरक्षित निवेश की मांग और मजबूत वैश्विक रुझानों के कारण सोना 6,680 रुपए प्रति 10 ग्राम

या 8.41 प्रतिशत चढ़ चुका है।

हालांकि, चांदी की कीमतें 96,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर स्थिर बनी रहीं। बृहस्पतिवार को रुपया, अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 14 पैसे गिरकर 87.57 (अस्थायी) के अबतक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करेगा। समीक्षा में ब्याज दर में कटौती की बढ़ती संभावनाओं ने रुपए पर दबाव डाला। कमजोर रुपया डॉलर की कीमत वाले सोने के आयात को महंगा बनाता है।

हालांकि, वायदा कारोबार में कीमती धातु में गिरावट आई।

एलकेपी सिक्योरिटीज में उपाध्यक्ष शोध विश्लेषक (जिंस और मुद्रा) जतीन त्रिवेदी ने कहा, ''बाजार प्रतिभागियों का ध्यान शुक्रवार को पेश होने वाली रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति और अमेरिकी गैर-कृषि पेरोल और बेरोजगारी के आंकड़ों पर केंद्रित है।

त्रिवेदी ने कहा, ''रुपए की चाल और जिंस बाजार में सोने का रुझान कीमत निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।''

वैश्विक बाजारों में, अप्रैल डिलीवरी वाले कॉमेक्स सोना वायदा 12 डॉलर प्रति औंस घटकर 2,881 डॉलर प्रति औंस रह गया। बुधवार को कॉमेक्स वायदा 2,906 डॉलर प्रति औंस के एक और उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

न्यायालय ने विधेयकों को मंजूरी रोकने से जुड़े तमिलनाडु सरकार-राज्यपाल विवाद में सवाल तय किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी रोक कर रखने को लेकर राज्य सरकार और राज्यपाल आर एन रवि के बीच विवाद के निपटारे के लिए बृहस्पतिवार को आठ सवाल तैयार किए। इन सवालों में 'पॉकेट वीटो' की अवधारणा, राज्यपाल के अधिकार और उनके विवेकाधिकार पर सवाल शामिल हैं।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने ये सवाल तैयार किए। पीठ, तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी की दलीलें सुन रही है। मामले की सुनवाई जारी है। पीठ ने दिन की कार्यवाही शुरू होते ही सवालों को सूचीबद्ध कर दिया। इनमें पहला सवाल है, जब कोई राज्य विधानसभा विधेयक पारित कर उसे राज्यपाल के पास मंजूरी के लिए भेजती है और राज्यपाल अपनी मंजूरी रोक कर रखते हैं, लेकिन विधेयक को सदन में दोबारा पारित कर उनके पास भेजा जाता है, तो क्या राज्यपाल को उसे एक बार फिर रोक कर रखने का अधिकार है?

अगला सवाल है, क्या राष्ट्रपति के पास विधेयक को भेजने का राज्यपाल का विवेकाधिकार विशिष्ट मामलों तक सीमित है, या क्या यह कुछ निर्धारित विषयों से परे है? पीठ ने कहा कि यह मुद्दे पर विचार करेगी कि विधेयक को मंजूरी देने के बजाय राष्ट्रपति के पास उसे भेजने के राज्यपाल के निर्णय को किन कारणों ने प्रभावित किया। एक अन्य प्रश्न है, पॉकेट वीटो की अवधारणा क्या है और भारत के संवैधानिक ढांचे में क्या इसके लिए कोई जगह है। पीठ ने कहा कि वह इस मुद्दे पर विचार करेगी कि संविधान के अनुच्छेद 200 की व्याख्या किस तरह से की जाए, जो राज्यपाल को राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने या अपने पास रोक कर रखने का अधिकार देता है।

पीठ के मुताबिक, राज्यपाल पुनर्विचार के लिए विधेयक को विधानमंडल को लौटा सकते हैं या उसमें बदलाव करने का सुझाव दे सकते हैं। पीठ ने पूछा, जब कोई विधेयक राज्यपाल को भेजा जाता है और पुनर्विचार के लिए (विधानमंडल को) लौटा दिया जाता है, तो क्या राज्यपाल विधानमंडल द्वारा पारित विधेयक को मंजूरी देने के लिए बाध्य है?

पीठ मामले में बृहस्पतिवार को ही अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी की भी दलीलें सुनेगी। पीठ, तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर उन दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जो विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने से इनकार करने पर राज्य विधानसभा और राज्यपाल के बीच लंबे समय से जारी टकराव से संबंधित हैं।

इरोड पूर्व विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में 6.72 प्रतिशत मतदान कम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड। तमिलनाडु की इरोड पूर्व विधानसभा सीट पर पांच फरवरी को हुए उपचुनाव में 2023 के उपचुनाव की तुलना में 6.72 प्रतिशत कम मतदान हुआ है। निर्वाचन अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इरोड पूर्व विधानसभा सीट पर 2023 में हुए चुनाव में 74.69 प्रतिशत मतदान हुआ था, जहां कांग्रेस के उम्मीदवार ई.वी.के.एस इलानगोवन ने अपने निकटतम एवं अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के प्रतिद्वंद्वी के. एस. थेन्नारासु को 66,233 मतों के अंतर से हरा दिया था।

विधायक और वरिष्ठ कांग्रेस नेता ईवीकेएस इलानगोवन का निधन हो जाने के कारण इस सीट पर उपचुनाव कराना जरूरी हो गया था। अधिकारियों ने बुधवार देर रात बताया कि इरोड पूर्व विधानसभा उपचुनाव में कुल 67.97 प्रतिशत मतदान हुआ। इस सीट पर हुए उपचुनाव में कुल 46 उम्मीदवार मैदान में थे, जिसमें से 44 उम्मीदवार निर्दलीय थे और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वी. सी. चंद्रकुमार और नाम तमिझार काची (एनटीके) की एम. के. सीतालक्ष्मी के बीच सीधा मुकाबला था।

मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक सहित अन्य दलों ने चुनाव का बहिष्कार किया था। उपचुनाव के लिए बनाए गए 237 मतदान केंद्रों से सभी ईवीएम को सड़क एवं परिवहन प्रौद्योगिकी संस्थान, चिटोडे भेज दिया गया, जहां आठ फरवरी को मतगणना होगी।

छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में तीन शिक्षक गिरफ्तार

कृष्णागिरी। तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले के एक सरकारी माध्यमिक विद्यालय में तीन शिक्षकों ने 13 वर्षीय एक स्कूली छात्रा का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि आरोपियों को निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के खुलासे से स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर पांच फरवरी को विरोध-प्रदर्शन किया। स्कूल के शिक्षक तीन फरवरी को छात्रा के घर उसकी लंबी अनुपस्थिति के बारे में पूछताछ करने गए, तब जाकर यह घटना सामने आई। छात्रा के माता-पिता ने शिक्षकों को बताया कि तीन शिक्षकों ने स्कूल परिसर में उनकी बेटी का यौन उत्पीड़न किया। इसके बाद शिक्षकों ने माता-पिता से पुलिस में शिकायत दर्ज कराने को कहा। आरोपी शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया है। उसने बताया कि पांच फरवरी को तीनों शिक्षकों को गिरफ्तार कर रिमांड पर ले लिया गया।

केरल: अदालत ने भाजपा नेता पीसी जॉर्ज को अग्रिम जमानत देने से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोट्टायम/भाषा। केरल की एक अदालत ने कथित तौर पर नफरत भरा भाषण देने के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता पीसी जॉर्ज की अग्रिम जमानत याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी।कोट्टायम जिला सत्र न्यायालय ने एराट्टुपेट्टा थाने में दर्ज मामले में भाजपा के वरिष्ठ नेता की याचिका खारिज की।

मुस्लिम यूथ लीग के नेता मोहम्मद शिहाब ने जॉर्ज द्वारा कथित तौर पर धार्मिक नफरत भड़काने वाली टिप्पणी करने को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी।

पूर्व विधायक जॉर्ज पर एक टीवी चैनल में चर्चा के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने वाला भाषण देने का आरोप है।

निगरानी का डर प्रेस पर हमले के समान: मद्रास उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता व निजता एवं गोपनीयता एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं और निगरानी का डर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया पर एक प्रकार का हमला है। न्यायमूर्ति जीके इलांथिरायन ने हाल में एक आदेश में यह टिप्पणी की और कहा कि जांच की आड़ में याचिकाकर्ताओं (रिपोर्टर) के मोबाइल फोन जब्त करना, उन्हें अपने निजी व व्यक्तिगत जानकारी मुहैया कराने के लिए मजबूर करना, प्रेस पर हमला एवं निगरानी के डर से उन पर अत्याचार करने के समान है। न्यायाधीश ने चेन्नई प्रेस क्लब और तीन पत्रकारों द्वारा दायर याचिकाओं का निपटारा करते हुए यह टिप्पणी की।

याचिका में पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) को अन्ना विश्वविद्यालय यौन उत्पीड़न मामले में प्राथमिकी लीक किये जाने की जांच की आड़ में उन्हें परेशान करने से रोकने का अनुरोध किया गया था। न्यायाधीश ने कहा कि समाचार एजेंसी की खबर का स्रोत प्रेस परिषद अधिनियम की धारा 15 (दो) के अनुसार विशेषाधिकार प्राप्त संचार के दायरे में आता है इसलिए उपकरणों की जब्ती से सूचना के स्रोत का खुलासा हो सकता है।

न्यायाधीश ने प्रेस परिषद अधिनियम की धारा 15 (दो) का हवाला देते हुए कहा कि इसके बाद भी जांच अधिकारी ने याचिकाकर्ताओं का फोन जब्त कर लिया। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने कभी भी प्राथमिकी अपलोड नहीं की और न ही इसे सोशल मीडिया पर प्रसारित किया, इसलिए जांच अधिकारी को याचिकाकर्ताओं से फोन जब्त नहीं करना चाहिए था। न्यायाधीश ने कहा कि यह प्रेस परिषद अधिनियम की धारा 15 (दो) का स्पष्ट उल्लंघन है।

'बम' तो माकपा में है, न कि हमारी पार्टी में : कांग्रेस ने केरल में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन द्वारा कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला को राज्य का अगला मुख्यमंत्री बताए जाने के संदर्भ में 'बम' शब्द का इस्तेमाल किए जाने के एक दिन बाद कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को पलटवार करते हुए कहा कि ''बम तो मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) में है।''

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस की केरल इकाई पर बुधवार को परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा था कि चेन्निथला को केरल का अगला मुख्यमंत्री बनाए जाने पर जो चर्चाएं की जा रही हैं, वे बम की तरह हैं और यह कांग्रेस में बड़ी समस्याएं पैदा कर देगा। तिरुवनंतपुरम में उद्योगपति बी. रवि पिल्लई के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था और इसमें विजयन भी शामिल हुए थे। एक व्यक्ति ने कार्यक्रम में भाषण के दौरान चेन्निथला को राज्य के अगले मुख्यमंत्री के रूप में संदर्भित किया था। केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन ने माकपा के दिग्गज नेता की टिप्पणी को बृहस्पतिवार को दरकिनार करते हुए कहा कि कांग्रेस में उनके सहित कोई भी मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार नहीं है। सतीशन ने विजयन पर पलटवार करते हुए माकपा के भीतर मौजूद ''गुटबाजी'' का जिक्र किया और कहा कि विजयन को इस तरह के मजाक करने से बचना चाहिए क्योंकि सभी जानते हैं कि 2006 के विधानसभा चुनावों के दौरान वरिष्ठ नेता वी. एस. अच्युतानंदन को टिकट न देने की कोशिश की गई थी, जिसके बाद उन्हें टिकट के लिए पोलित ब्यूरो से संपर्क करना पड़ा था। उन्होंने दावा किया कि विजयन ने 2011 में वाम दलों को सरकार बनाने से रोक दिया था क्योंकि उन्हें लगा था कि अच्युतानंदन मुख्यमंत्री बन सकते हैं। उस दौरान विजयन माकपा के राज्य सचिव थे।

चेन्निथला ने कहा कि इस मुद्दे पर पार्टी के भीतर कोई मतभेद नहीं है और सभी लोग एकजुट होकर राज्य में आगामी पंचायत चुनाव पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमारी पार्टी में कोई बम नहीं है। बम तो माकपा में है। मुख्यमंत्री को इस बात की चिंता करनी चाहिए कि बम कब फटेगा।'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि उन्होंने कार्यक्रम में विजयन की टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया इसलिए नहीं दी थी क्योंकि वह कार्यक्रम की गरिमा को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते थे।

तमिलनाडु: तिरुपुर में बस पलटने से दो लोगों की मौत

तिरुपुर। तमिलनाडु के तिरुपुर जिले में बृहस्पतिवार को एक बस के पलट जाने से उसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बस तिरुपुर से इरोड जा रही थी, तभी उथुकुली के पास चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने बताया कि घायलों को पेरुंदुरई सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

केरल में जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत

इडुक्की। केरल के इडुक्की जिले में वृहस्पतिवार सुबह एक जंगली हाथी के हमले में 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने जानकारी दी। मृतक की पहचान विमल नाम के व्यक्ति के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना मरयूर पुलिस थाना सीमा क्षेत्र के अंतर्गत चंपक्कड़ के एक आदिवासी गांव में हुई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम इलाके में गई।

भाजपा में 'आंतरिक कलह' पर बोम्मई ने जताई नाराजगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने पार्टी की कर्नाटक इकाई के भीतर 'आंतरिक कलह' पर बृहस्पतिवार को 'गंभीर नाराजगी' व्यक्त की और पार्टी के गुटों से धैर्य रखने तथा वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में चर्चा के माध्यम से मतभेदों को सुलझाने का आग्रह किया। बोम्मई ने उम्मीद जताई कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व जल्द ही प्रदेश इकाई के घटनाक्रमों पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा और सभी प्रमुख नेताओं के साथ चर्चा कर उचित निर्णय लेगा।

बोम्मई ने एक बयान में कहा, ऐसे समय में जब लोग, खासकर किसान व महिलाएं संकट में हैं और सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के कुशासन के कारण राज्य में हिंसा व आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं, विपक्षी भाजपा दुर्भाग्य से मौजूदा सरकार के खिलाफ लड़ने के बजाय आंतरिक कलह का सामना कर रही है। पार्टी के भीतर गुटबाजी उस समय खुलकर सामने आ गई है, जब

राज्य इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र का विरोध करने वाले नेताओं का एक समूह सार्वजनिक रूप से उनके खिलाफ आरोप लगाने और उन्हें हटाने की मांग में जुटा है।

वहीं विजयेंद्र का समर्थन करने वाला एक अन्य गुट खुले तौर पर असंतोष व्यक्त करने वालों और पार्टी को नुकसान पहुंचाने वालों को निष्कासित करने की मांग कर रहा है। विजयेंद्र को नवंबर 2023 में भाजपा की प्रदेश इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्हें प्रदेशाध्यक्ष पद पर नियुक्त करने से कई वरिष्ठ नेताओं में नाराजगी है, जिन्होंने बार-बार उनके नेतृत्व और कार्यशैली के प्रति असंतोष व्यक्त किया है।

कर्नाटक के 'वेंचुराइज 2024-25' के लिए 48 स्टार्टअप चुने गए

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार के प्रतिष्ठित कार्यक्रम 'वेंचुराइज 2024-25' वैश्विक स्टार्टअप चुनौती के लिए कुल 48 स्टार्टअप चुने गए हैं। इस कार्यक्रम का मकसद इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण, ऑटोमोटिव/ईवी और एयरोस्पेस तथा रक्षा क्षेत्रों में नये-नये समाधानों को बढ़ावा देना है। राज्य सरकार ने एक बयान में कहा कि लगभग 1,000 वैश्विक अनुप्रयोगों के साथ प्रतिष्ठित स्टार्टअप चुनौती में अब 'ग्रैंड जूरी पिच राउंड' की तैयारी की जा रही है। इसमें तीन लाख अमेरिकी डॉलर के पुरस्कार और बेंगलूरु पैलेस में निवेशकों, सलाहकारों और उद्योग जगत के लोगों के साथ संबंध बनने के अवसर दिए जाएंगे। विजेताओं की घोषणा 11-14 फरवरी, 2025 को होने वाले वैश्विक निवेशक बैठक (जीआईएम) 2025 में की जाएगी। बयान में कहा गया, कर्नाटक सरकार और वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, टीआईई ग्लोबल और टीआईई बैंगलोर के साथ साझेदारी में प्रतिष्ठित वेंचुराइज 2024-25 वैश्विक स्टार्टअप चुनौती में शीर्ष 48 स्टार्टअप को चुना गया है।

'इन्वेस्ट कर्नाटक' सम्मेलन में 19 साझेदार देश करेंगे शिरकत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में निवेश आकर्षित करने के मकसद से अगले हफ्ते आयोजित किए जा रहे वैश्विक निवेशक सम्मेलन 'इन्वेस्ट कर्नाटक' में फ्रांस, जापान और इजरायल जैसे 19 देश साझेदार के तौर पर शामिल होंगे। इसमें नौ समर्पित मंडप भी बनाए जाएंगे।

कर्नाटक के बड़े एवं मध्यम उद्योग और बुनियादी ढांचा विकास मंत्री एम बी पटेल ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। वैश्विक निवेशक सम्मेलन 12-14 फरवरी को आयोजित किया जाएगा जिसका उद्घाटन समारोह 11 फरवरी को होगा।

राज्य सरकार ने एक बयान में कहा कि पाटिल की अगुवाई में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में कर्नाटक की स्थिति को मजबूत करेगा।

फ्रांस, नीदरलैंड, जापान, थाईलैंड, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, इजरायल, नॉर्वे, स्विट्जरलैंड, ताइवान, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क, पोलैंड, इटली, ब्रिटेन, स्लोवेनिया, बहरीन और सिंगापुर जैसे 19 साझेदार देश इसमें शिरकत करेंगे। इसमें नौ देशों से जुड़े मंडप होंगे जो निवेश अवसरों और व्यापार सहयोगों को प्रदर्शित करेंगे।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, 'इन्वेस्ट कर्नाटक' सम्मेलन का उद्देश्य राज्य को विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के एक आकर्षक गंतव्य के रूप में बढ़ावा देना है।

इसके जरिये आर्थिक वृद्धि को तेज करने, रोजगार के अवसर पैदा करने और प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, वैमानिकी एवं रक्षा क्षेत्र में व्यापार और नवाचार के केंद्र के रूप में कर्नाटक की स्थिति को मजबूती देने की कोशिश की जाएगी। इस कार्यक्रम में वैश्विक उद्योग जगत के कई दिग्गज शामिल होंगे। इनमें आनंद महिंद्रा, कुमार मंगलम बिड़ला, किरण मजूमदार-शॉ, मार्टिन लुंडस्टेड एवं जॉर्ज पापांड्रेयू शामिल हैं।

डीके शिवकुमार ने कहा कि उन्हें 'एग्जिट पोल' पर भरोसा नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कई 'एग्जिट पोल' में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का अनुमान जताये जाने के बीच, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह इनमें विश्वास नहीं करते और मतदाताओं के फैसले का इंतजार करेंगे। बुधवार को जारी किये गए कई 'एग्जिट पोल' (चुनाव के बाद सर्वेक्षण) के नतीजों में दिल्ली विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी(आप) पर भाजपा की जीत का अनुमान जताया गया है।

वहीं, 'एग्जिट पोल' में कांग्रेस को पिछले चुनाव के मुकाबले कोई खास बढ़त नहीं मिलने का अनुमान जताया गया है। वहीं, दो 'एग्जिट पोल' में आप की जीत का अनुमान जताया गया है और कई सर्वेक्षणों में दोनों पार्टियों के बीच कड़ा मुकाबला और भाजपा को बढ़त मिलता दिख रहा है।

शिवकुमार ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, मैं 'एग्जिट पोल' पर विश्वास नहीं करता। हमें मतदाताओं के फैसले का इंतजार करना चाहिए। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए बुधवार को मतदान हुआ, जबकि मतगणना आठ फरवरी को होगी। शिवकुमार दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के स्टार प्रचारकों में से एक थे। चुनाव से पहले कांग्रेस की ओर से शिवकुमार ने 'प्यारी दीदी योजना' की घोषणा की थी, जिसमें दिल्ली में पार्टी के सत्ता में आने पर महिलाओं को 2,500 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता देने का वादा किया गया था। बेंगलूरु के लिए दूसरे हवाई अड्डे की योजना के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में शिवकुमार ने कहा कि तकनीकी आवश्यकताओं के आधार पर इसके लिए स्थान को अंतिम रूप दिया जाएगा। शिवकुमार बेंगलूरु विकास के प्रभारी भी हैं।

उन्होंने कहा, हवाई अड्डा कहां बनना चाहिए, चाहे वह बिदादी में हो या नेलमंगला या तुमकुरु या किसी अन्य स्थान पर, हम तय नहीं कर सकते। भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण और बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बीच एक समझौता है कि कुछ वर्षों तक कोई भी हवाई अड्डा आस-पास नहीं बनना चाहिए। वे चर्चा करेंगे और निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार के संबंधित विभाग बुनियादी ढांचे के मंत्री एम. बी. पाटिल के नेतृत्व में व्यवहार्यता पर विचार कर रहे हैं। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने कहा, वे मुझसे और मुख्यमंत्री के साथ चर्चा करेंगे और उसके बाद इसे कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा। फिर दिल्ली (केंद्र) से मंजूरी लेकर हम दूसरे हवाई अड्डे के लिए स्थान तय करेंगे। उन्होंने कहा, मेरी इच्छा हो सकती है कि हवाई अड्डा मेरे गृहनगर के पास हो, लेकिन ऐसा नहीं हो सकता। कुछ आवश्यकताएं हैं जैसे कि आस-पास कोई पहाड़ नहीं होना चाहिए, उड़ान क्षेत्र होना चाहिए... कुछ तकनीकी आवश्यकताएं हैं, जिनके आधार पर यह तय किया जाएगा।

सीबीआई या अपराध शाखा को नवीन बाबू की मौत की जांच करने दी जाए : पूर्व एडीएम की पत्नी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। कन्नूर के पूर्व अतिरिक्त जिलाधिकारी(एडीएम) नवीन बाबू की पत्नी ने उनकी मौत की सीबीआई या अपराध शाखा जैसी किसी अन्य एजेंसी से जांच कराने का केरल उच्च न्यायालय से बृहस्पतिवार को अनुरोध किया और विशेष जांच दल(एसआईटी) की जारी जांच पर असंतोष व्यक्त किया। मंजूषा के. ने अपने पति की मौत की सीबीआई जांच की उनकी याचिका को खारिज करने संबंधी उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ अपनी अपील में यह निर्देश जारी करने का अनुरोध किया।

याचिका का विरोध करते हुए राज्य सरकार ने दलील दी है कि एसआईटी जांच प्रभावकारी तरीके से आगे बढ़ रही है और जांच को किसी अन्य एजेंसी को सौंपने की कोई आवश्यकता नहीं है।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति पी बी सुरेश कुमार और जोबिन सेबेस्टियन की पीठ ने अपील पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। उच्च न्यायालय ने पिछले महीने मंजूषा की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने अपने पति की कथित आत्महत्या की सीबीआई जांच का अनुरोध किया था।

अदालत ने एसआईटी को हत्या के पहलू की जांच करने का भी निर्देश दिया था जैसा कि बाबू की पत्नी ने आशंका जताई है। मंजूषा ने अपनी अपील में यह भी कहा है कि आरोपी पी पी दिव्या की राज्य में सत्तारूढ़ राजनीतिक पार्टी (माकपा) के प्रति निष्ठा है और इसलिए एसआईटी जांच निष्पक्ष नहीं हो सकती है। कन्नूर जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष दिव्या ने बाबू के विदाई समारोह में, उनपर भ्रष्टाचार के आरोप लगाये थे जिसके बाद उन्होंने (बाबू) कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। दिव्या को इस घटना के सिलसिले में पुलिस ने गिरफ्तार किया था, क्योंकि निचली अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। हालांकि, बाद में अदालत से उन्हें नियमित जमानत मिल गई।

जिले निरस्त करने के मुद्दे पर राजस्थान विधानसभा में हंगामा, कार्यवाही स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा कुछ जिलों के गठन को निरस्त किए जाने के मुद्दे पर बृहस्पतिवार को सदन में एक बार फिर हंगामा हुआ और सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। शून्यकाल में कांग्रेस के दो विधायकों ने यह मुद्दा उठाया। कांग्रेस विधायक सुरेश मोदी और रामकेश मीणा ने इस मामले पर सदन में कार्य स्थगन का नोटिस दिया है। उन्होंने नवगठित नीमकाथाना और गंगापुर सिटी जिलों को खत्म करने पर आपत्ति जताई।

सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि जिले बनाने या निरस्त करने का पूरा अधिकार राज्य सरकार के पास है और उसने सभी तथ्यों के आधार पर यह फैसला किया है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मंत्री के जवाब पर सवाल उठाए और कहा कि वह उनका भाषण सुनने नहीं आए बल्कि तथ्यों की जानकारी चाहिए। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया और विपक्ष के सदस्य आसन के समीप आ गए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लगभग 12.35 बजे कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

नीम का थाना से कांग्रेस विधायक सुरेश मोदी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने संभाग व जिलों का दर्जा समाप्त करके वहां की जनता के साथ अन्याय व अत्याचार किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है और क्षेत्र के विकास को खत्म किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने ये फैसले मापदंडों के आधार पर नहीं, बल्कि राजनीतिक दुर्भावना से किए हैं। सुरेश मोदी ने दावा किया कि जिलों की समीक्षा के लिए बनी पंवार समिति ने सब जिलों का दौरा किया, लेकिन वह नीम का थाना नहीं आई।

गंगापुर से कांग्रेस विधायक रामकेश ने कहा कि पिछली सरकार ने 17 नए जिलों का गठन किया था जिनमें से नौ जिले व तीन संभागों को भारतीय जनता पार्टी की मौजूदा सरकार ने राजनीतिक द्वेष से खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने इन जिलों को खत्म करते समय मापदंडों का परीक्षण नहीं किया। सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने कहा किसी जिले को बनाने या किसी जिले को समाप्त करने का पूर्ण अधिकार राज्य सरकार के पास है।

उन्होंने कहा जिलों को राजनीतिक आधार पर निरस्त किए जाने की बात पूर्ण रूप से गलत है। उन्होंने कहा कि जहां तक संभागों के गठन का सवाल है सरकार ने पूर्ण रूप से पारदर्शिता व निष्पक्षता से सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए फैसला किया है। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा, जिलों का बहुत गंभीर विषय है। दोनों विधायकों ने तथ्यों के साथ बात रखी है, लेकिन सरकार की ओर से मंत्री ने एक भी तथ्य नहीं बताया कि कौन से जिले को किस आधार पर रखा और कौन से जिले को किस आधार पर निरस्त कर दिया।

इसके बाद दोनों पक्षों के सदस्य बोलने लगे और अध्यक्ष देवनानी ने कार्य स्थगन प्रस्तावों पर चर्चा समाप्त करने की घोषणा की। हालांकि, सरकार के जवाब से असंतुष्ट कांग्रेस विधायकों ने नारेबाजी शुरू कर दी और आसन के समीप आ गए। हंगामा बढ़ता देख अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित कर दी।

दो बजे जब सदन की बैठक फिर से शुरू हुई तो नेता प्रतिपक्ष जूली ने सरकार से जवाब की मांग की लेकिन अध्यक्ष देवनानी ने इसकी अनुमति नहीं दी। इसके बाद विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया। उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार ने 17 नए जिले व तीन नए संभाग बनाने की अधिसूचना जारी की थी। इसके साथ ही तीन और जिलों की घोषणा की थी लेकिन उसकी अधिसूचना जारी नहीं हुई थी।

मौजूदा भजनलाल शर्मा सरकार ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार द्वारा गठित नौ जिलों तथा तीन नए संभागों को खत्म करने का फैसला दिसंबर में किया था। हालांकि आठ नए जिलों को बरकरार रखा गया।

बहरोड़ मिड वे को चालू किए जाने को लेकर जल्द फैसला लेगी सरकार : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटपूतली-बहरोड़। जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित राजस्थान पर्यटन विकास निगम के बहरोड़ मिड वे को फिर से चालू किए जाने को लेकर राजस्थान सरकार जल्द कोई फैसला लेगी। पर्यटन एवं उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने गुरूवार को विधानसभा में एक सवाल के जवाब में यह भरोसा दिलाया।

उन्होंने कहा कि इस मिड वे को आउट सोर्स पद्धति पर फिर से चालू किए जाने का मामला विचाराधीन है। इसमें सरकार इस बात पर भी विचार कर रही है कि इस मिड वे को प्राइवेट सेक्टर में लीज पर दिया जाए अथवा ऑपरेशन एंड मेंटीनेंस आधार पर इसका संचालन किया जाए।

इससे पहले विधायक जसवंत सिंह यादव ने प्रश्नकाल के दौरान एक सवाल के माध्यम से बहरोड़ मिड वे को फिर से चालू किए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह राजस्थान सरकार खासकर पर्यटन विकास निगम की महत्वपूर्ण प्रॉपर्टी है। पहले यह मिड वे काफी अच्छा चलता था। लेकिन, इसके बाहर से फ्लाई ओवर बनने के कारण रोडवेज की डीलक्स और वोल्वो बसें यहां रुकना बंद हो गई हैं। अब ये बसें ऊपर से ही निकल जाती हैं। इससे यह मिड वे भारी घाटे के कारण लगभग बंद हो गया है। उनका सुझाव है कि इस मिड वे को प्राइवेट सेक्टर में लीज पर देकर फिर से चालू करवाया जाए।

विधायक ने यह भी कहा कि इस मिड वे को लेकर जो भी फैसला सरकार को लेना है, वह तुरंत ले। क्योंकि फैसले में देरी के कारण यह बहुमूल्य प्रॉपर्टी बर्बाद हो रही है। असामाजिक तत्व यहां से कभी कुछ और कभी कुछ चुराकर या खोल कर ले जाते हैं। अगर फैसले में ज्यादा देरी हुई तो यहां कुछ बाकी नहीं बचना है। इस पर सरकार की ओर से उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जल्द इस बारे में कोई फैसला लिए जाने का भरोसा दिलाया।

रेहड़ी पटरी वालों के लिए बनाया गया अधिनियम सही तरीके से लागू नहीं किया : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि वर्ष 2014 में तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान रेहड़ी-पटरी वालों को विशेष क्षेत्र तय करके वहां पक्की जगह देने के उद्देश्य से पथ विक्रेता अधिनियम बनाया गया था, जिसे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के केंद्र में आने के बाद सही तरीके से लागू नहीं किया गया। गहलोत ने गुरुवार को यहां कहा कि उन्हें जयपुर के रेहड़ी-पटरी विक्रेता यूनियन के प्रतिनिधियों ने अपनी व्यथा बतायी और कहा कि यहां जलेबी चौक एवं आसपास के क्षेत्रों में वर्षों से जीविकोपार्जन कर रहे विक्रेताओं को बलपूर्वक हटाया जा रहा है। इन विक्रेताओं के पास वैध कागजात भी हैं, लेकिन इनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही। उन्होंने राज्य सरकार से इस विषय पर प्रमुखता से संज्ञान लेकर इन गरीब लोगों के साथ हो रही अन्यायपूर्वक कार्रवाई को रोकने एवं पथ विक्रेता अधिनियम के अनुरूप इन्हें वैध तरीके से स्थापित करने का आग्रह किया।

बेणेश्वर मेला संबंध में बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डूंगरपुर। बेणेश्वर मेला 2025 की पूर्व तैयारी के संबंध में जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारी गण की बैठक आयोजित कर अब तक की गई तैयारी की समीक्षा की तथा सुचारू आयोजन हेतु महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश प्रदान किये। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन ने कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने, सुरक्षा व्यवस्था की पुख्ता इंतजाम करने तथा प्रभावी मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

गुरूवार को बेणेश्वर धाम साबला मेला आयोजन स्थल पर आयोजित बैठक में पूर्व बैठक में दिए गए दिशा निर्देशों की अनुपालना करते हुए विभागों द्वारा अब तक की गई तैयारी की जानकारी ली तथा पूरी गंभीरता के साथ पुख्ता प्रबंध हेतु निर्देशित किया। बैठक में पीडब्ल्यूडी विभाग अधिशासी अभियंता द्वारा सड़क मरम्मत, बेरीकेटिंग लगाने, बाईपास हेतु बोर्ड लगाने, संकेतक लगाने की जानकारी दी गई। जिला कलक्टर सिंह ने साबला एसएचओ के साथ संयुक्त रूप से मौका मुआयना करते हुए आवश्यकता अनुसार भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक बेरीकेटिंग लगाने, मजबूती के लिए लोहे के पाइप लगाने, बांसवाड़ा से आने वाली ट्रैफिक को डाइवर्ट करने और जानकारी हेतु बैनर लगाने के निर्देश दिए। बैठक में विकास अधिकारी साबला को मेला स्थल, घाट स्थल की साफ-सफाई, सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने, उन्हें जोन वार नियुक्त करने तथा संसाधन उपलब्ध करवाने, सफाई कर्मियों के साथ बैठक करते हुए आवश्यक निर्देश देने तथा प्रभावी मॉनिटरिंग करने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में एवीएनएल अधिशासी अभियंता ने विद्युत सप्लाई व्यवस्था, दो एफआरटी टीम लगाने, अस्थाई जीएसएस लगाने, झूले हुए तारों को ठीक करवाने की जानकारी दी। जिला कलक्टर ने एफआरटी टीम में नियुक्त कर्मचारियों के नाम तथा संपर्क नंबर मेला अधिकारी को उपलब्ध करवाने तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश दिए।

उन्होंने पीएचडी अधिकारी से हेडपंप की उपलब्धता, नल व्यवस्था की जानकारी ली तथा मेला स्थल पर दूरस्तीकरण हेतु मिस्त्री लगाए जाने, आवश्यकता होने पर पेयजल हेतु टैंकर व्यवस्था करने, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से अस्थाई डिस्पेंसरी, दो एंबुलेंस, चिकित्सा कार्मिक नियुक्त करने की जानकारी ली । जिला कलेक्टर सिंह ने मेला स्थल पर पार्किंग हेतु राजकीय एवं निजी अलग-अलग व्यवस्था करने, प्रकाश की समुचित व्यवस्था करने, हाई मास्क लाइट एवं इमरजेंसी लाइट, सड़क पर चूना लगाने तथा निर्धारित लाइन से आगे दुकान न लगाने, बड़े व छोटे वाहनों के लिए अलग-अलग व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

पावापुरी तीर्थ की 25वीं ध्वजा 11 को, कल आचार्य उदयवल्लभसूरी का होगा मंगल प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिरोही। सिरोही में पावापुरी तीर्थ जीव मैत्रीधाम की 25वीं ध्वजारोहण आगामी 11 फरवरी (मंगलवार) को आचार्य भगवंत उदयवल्लभसूरी और हृदयवल्लभसूरी महाराज ठाणा के सानिध्य में होगा। ध्वजारोहण के पहले 10 फरवरी को भगवान शंखेश्वर पार्श्वनाथ और महावीर स्वामी चैमुखा जलमंदिर में अठारह अभिषेक विधि कारक समकित शाह विधि-विधान के साथ कराएंगे। इसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी महावीर जैन ने बताया कि दो आचार्य और 25 मुनिराज का पावापुरी में मंगल प्रवेश आठ फरवरी को सुबह होगा। 10 फरवरी को सुबह छह बजे पावापुरी तीर्थ में देवलोक हुए आचार्य भगवंत मेघवल्लभसूरी महाराज के समाधि मंदिर का खनन एवं भूमिपूजन होगा। इसी दिन शाम को पावापुरी ट्रस्ट मंडल की 24वीं वार्षिक बैठक चेयरमैन किशोर एच संघवी की अध्यक्षता में होगी। इसमें ट्रस्ट की वार्षिक गतिविधियों एवं कार्यों की समीक्षा होगी और आगामी 31 जनवरी 2026 को तीर्थ में रजत जंयती महोत्सव आयोजित करने की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

ध्वजारोहण के पहले 11 फरवरी को सुबह आठ बजे समाधि मंदिर की आधारशिला रखने के लिए यात्रिक विश्राम घर से गाते बजाते चर्तुविद संघ के साथ समाधि स्थल पर पहुंचेंगे और विधि-विधान से वहां शिलान्यास होगा। उसी दिन मंदिर में 25वें ध्वजारोहण के लिए आचार्य भगवंतो के साथ गाते बजाते मुख्य जिनालय श्रावक-श्राविकाएं पहुंचेंगी और वहां पर पूजन के बाद 10 बजे सभी मंदिरों एवं देहरियों पर ध्वजारोहण होगा। उसके बाद आचार्य भगवंत मुख्य जिनालय परिसर में हित शिक्षा प्रदान करेंगे। समाधि मंदिर शिलान्यास एवं 25वीं ध्वजारोहण के अवसर पर विभिन्न प्रदेशों से श्रद्धालु पावापुरी तीर्थ में पहुंचेंगे। गौरतलब है कि सिरोही जिले में कांडला-सिरोही हाइवे पर यह जैन तीर्थ स्थित है।

विश्व पुस्तक मेले का आयोजन महती पहल : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े गुरुवार को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित विश्व पुस्तक मेले में पहुंचे। उन्होंने वहां देशभर के प्रकाशकों की प्रदर्शित पुस्तकों के स्टॉलों का अवलोकन किया और अपनी पसंद की पुस्तकें भी खरीदी। उन्होंने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा मेले में आयोजित विभिन्न गतिविधियों को देखकर मुक्त कंठ से उसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि पुस्तक पाठक सरोकारों की दृष्टि से विश्व पुस्तक मेले का आयोजन महती पहल है। विश्व पुस्तक मेले में पहुंचने पर राज्यपाल बागड़े का राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे और निदेशक कर्नल युवराज मलिक ने अभिनंदन किया।

राज्यपाल को एनबीटी की ओर से भारतीय संविधान की मूल प्रति पर उकेरे चित्रों और उनके वर्णन संबंधित स्मृति चिन्ह भी प्रदान किया गया।

राज्यपाल ने विश्व पुस्तक मेले में 'भारत: गणतंत्र 75' की थीम पर आधारित मंडप, भारतीय ज्ञान परम्परा और नई शिक्षा नीति, अंतरराष्ट्रीय मंडप में फोकस देश 'रूसी संघ' के मंडप 'रूस से आई पुस्तकें' भी देखी और भारतीय ज्ञान के आलोक में पुस्तक मेले के विस्तार के लिए एनबीटी के किए प्रयासों की सराहना की। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के निदेशक युवराज मलिक ने राज्यपाल को विश्व पुस्तक मेले में लेखकों से संवाद और बच्चों को पुस्तकों से जोड़ने के प्रयासों के साथ पुस्तक संस्कृति के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों और न्यास द्वारा प्रकाशित सद्य पुस्तकों के बारे में जानकारी दी। निदेशक मलिक ने राज्यपाल को राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की पुस्तकों का सेट भी भेंट किया।

साइबर थानों द्वारा रिपोर्ट दर्ज नहीं करने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी : गजेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने गुरुवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि साइबर थानों द्वारा रिपोर्ट दर्ज करने में किसी प्रकार की आनाकानी करने की शिकायत प्राप्त होने पर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का गृह मंत्री की ओर से जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में 1 जनवरी 2022 से 31 दिसम्बर 2024 तक साइबर अपराध के 36 केस दर्ज हुए। इनमें से 10 मामलों में चालान पेश किये गए। 17 प्रकरणों में एफआर फाइल की गई तथा 9 मामलों में जांच जारी है। उन्होंने कहा कि कुल 2.70 करोड़ रुपये की ठगी के विरुद्ध 1.82 करोड़ रुपये की रिकवरी की जा चुकी है। इससे पहले विधायक चन्द्रभान सिंह चौहान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने विधान सभा क्षेत्र चित्तौडगढ में विगत 3 वर्ष (1 जनवरी 2022 से 31 दिसम्बर 2024 तक) में हुए साइबर अपराधों का विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने जानकारी दी कि राज्य सरकार के 27 अप्रेल 2022 के आदेश क्रमांक एफ.27 (क) (1) गृह-2/2022 द्वारा जिला चित्तौडगढ़ में साइबर पुलिस थाना खोला गया है। साइबर थाने में साइबर प्रशिक्षित पुलिसकर्मी एवं प्राइवेट साइबर एक्सपर्ट्स के साथ समय-समय पर अभियान चलाया जाकर फ्रॉड की राशि रिकवर कर वापस दिलाई जा रही है।

कार और रोडवेज बस की भिड़ंत में आठ लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजधानी जयपुर के दूदू इलाके से सड़क हादसे की खबर सामने आई है। दूदू के पास नेशनल हाइवे-48 के मोखमपुरा क्षेत्र में एक कार और रोडवेज बस के बीच टक्कर हो गई। इसमें कार सवार आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बता दें कि हादसे की सूचना मिलते ही मोखमपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कार से निकालने का काम शुरू किया। हादसे के बाद हाइवे पर जाम लग गया, जिसे पुलिस हटाने का प्रयास कर रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार तेज रफ्तार में थी तभी अचानक उसका टायर फट गया। इसके बाद कार डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में जा घुसी और सामने से आ रही राजस्थान रोडवेज बस से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोगों की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस के साथ मिलकर कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने में मदद की। हालांकि, टक्कर इतनी भीषण थी कि किसी को बचाया नहीं जा सका। मोखमपुरा थाना पुलिस ने बताया, मृतकों की शिनाख्त की जा रही है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण कार का टायर फटना और तेज रफ्तार माना जा रहा है।

सूर्य नमस्कार का नया विश्व रिकॉर्ड बनने पर सौंपा अस्थाई प्रमाण पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वर्ल्ड बुक का रिकॉर्ड लंदन के प्रतिनिधि प्रथम भल्ला ने गुरुवार को यहां राजस्थान विधानसभा परिसर में राज्य के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर को सूर्य नमस्कार का नया विश्व रिकॉर्ड बनने पर अस्थाई प्रमाण पत्र सौंपा। दिलावर ने इस अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, विश्व रिकॉर्ड बनने पर मैं सभी प्रदेशवासियों विशेष कर बच्चों, युवाओं और उनके अभिभावकों को बधाई देता हूं, जिन्होंने 03 फरवरी को सूर्य सप्तमी के अवसर पर आयोजित सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग गया और एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया।

उन्होंने कहा कि गत वर्ष पहली बार पूरे प्रदेश में विद्यालयों में एक साथ सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया था जिसका वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड ने आकलन कर एक करोड़ 33 लाख लोगों के पूरे प्रदेश में एक साथ सूर्य नमस्कार करने का आंकड़ा दर्ज किया था। जो पूरे विश्व में इतनी बड़ी संख्या में सूर्य नमस्कार करने का विश्व रिकॉर्ड था।

दिलावर ने बताया कि इस वर्ष प्रदेश में शिक्षा विभाग द्वारा सभी सरकारी निजी विद्यालयों में सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश के स्कूली बच्चों ने पूरे जोश के साथ भाग लिया और अपने पिछले रिकार्ड को तोड़ते हुए नया रिकॉर्ड एक करोड़ 53 लाख का बनाया। यह हम सबके लिए गर्व की बात है।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि हमारे नौनीहाल स्वस्थ रहें ताकि अपना भविष्य उज्ज्वल कर सकें। स्वस्थ रहने के लिए यह आवश्यक है कि प्रतिदिन व्यायाम किया जाए। इसलिए विद्यालयों में प्रतिदिन प्रार्थना सभा के बाद सूर्य नमस्कार कराया जाता है। क्योंकि सूर्य नमस्कार सर्व योग है और स्वस्थ तन मन रखने के लिए सूर्य नमस्कार सर्वश्रेष्ठ योग है।

हथकड़ी पहनकर विपक्षी नेताओं ने किया प्रदर्शन, भारतीय प्रवासियों से अनुचित व्यवहार का दावा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और कुछ अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने अमेरिका से 100 से अधिक अवैध प्रवासी भारतीयों को वापस भेजे जाने और उनके साथ कथित तौर पर अमानवीय व्यवहार किए जाने के खिलाफ बृहस्पतिवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव और विरोध प्रदर्शन में शामिल कई अन्य विपक्षी सांसदों ने अपने हाथों में हथकड़ी पहन रखी थी। उन्होंने 'देश का अपमान नहीं सहेंगे' और 'मोदी सरकार हाय हाय' के नारे लगाए। विपक्षी सांसदों ने अपने हाथों में तख्तियां भी ले रखी थीं। इनमें से कुछ तख्तियों पर 'हर हिंदुस्तानी का स्वाभिमान यही, न्याय दो जंजीर नहीं' लिखा हुआ था।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कई अन्य विपक्षी नेता प्रदर्शन में शामिल हुए। राहुल गांधी ने अमेरिका से वापस भेजे एक प्रवासी हरविंदर के बयान का एक वीडियो 'एक्स' पर साझा किया जिसमें वह यह कहते सुने जा सकते हैं कि 40 घंटों तक उनके हाथों में हथकड़ी लगाई गई थी और पैरों को भी जंजीर से बांधा गया था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''प्रधानमंत्री जी इस व्यक्ति के दर्द को सुनिए। भारतीय गरिमा और मानवता के हकदार हैं, हथकड़ी के नहीं।'' खरगे ने विपक्षी नेताओं के विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा, ''हम, 'इंडिया' गठबंधन के दल भारतीय नागरिकों का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। मोदी सरकार को इस निर्वासन पर एक विस्तृत बयान देना चाहिए और यह भी बताना चाहिए कि हमने अपनी धरती पर एक सैन्य विमान उतारने के बजाय भारतीयों को गरिमा और सम्मान के साथ वापस लाने के लिए अपने विमान क्यों नहीं भेजे?''

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि अमेरिका से वापस भेजे गए भारतीय प्रवासियों के साथ हुए व्यवहार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जवाब देना चाहिए। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''बहुत बात की गई थी कि मोदी जी और डोनाल्ड ट्रंप जी बहुत अच्छे मित्र हैं, फिर मोदी जी ने ऐसा क्यों होने दिया? क्या इंसानों के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है कि उन्हें हथकड़ियां और बेड़ियां पहनाकर भेजा जाए? यह कोई तरीका है...।'' वाम दल के सांसदों ने भी भारतीय प्रवासियों के साथ हुए व्यवहार के खिलाफ प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि भारतीय प्रवासियों के साथ ''अमानवीय'' व्यवहार किया गया।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका से 104 ''अवैध'' भारतीय प्रवासियों को लेकर एक अमेरिकी सैन्य विमान बुधवार को अमृतसर में उतरा। अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के तहत डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा वापस भेजा गया यह भारतीयों का पहला जत्था है।

एक दशक में मोबाइल फोन पर बात करना 94 प्रतिशत हुआ सस्ता: सिंधिया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि 2014 से मोबाइल फोन कॉल दरों में 94 प्रतिशत की कमी आई है।

सिंधिया ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों का जवाब देते हुए कहा कि देश में पहले 90 करोड़ मोबाइल फोन उपभोक्ता थे जो अब बढ़कर 116 करोड़ हो गए हैं। उन्होंने कहा, ''...इंटरनेट पहुंच की बात करें तो 2014 में 25 करोड़ उपभोक्ता थे और आज यह संख्या 97 करोड़ है।'' मंत्री ने कहा कि जब उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ती है तो आवश्यक है कि शुल्क दरों की निगरानी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 2014 में एक मिनट की कॉल की दर 50 पैसे थी जो आज तीन पैसे है। इस प्रकार दर में 94 प्रतिशत की गिरावट आई है। सिंधिया ने कहा कि कि 2014 में डेटा यानी इंटरनेट 270 रुपए प्रति जीबी थी जो अब घटकर 9.70 रुपए प्रति जीबी हो गई है जो 'टैरिफ' में 93 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में इंटरनेट और कॉल दरों के मामले में सबसे किफायती देश है।

व्यापार सम्मेलन में 4.40 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि दो दिवसीय व्यापार शिखर सम्मेलन के दौरान राज्य को 4.40 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने कहा कि राज्य निवेशकों के लिए 'प्रमुख गंतव्य' बना हुआ है।

बंगाल वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन (बीजीबीएस) के समापन सत्र में बनर्जी ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में 212 समझौता ज्ञापनों और आशय पत्रों पर हस्ताक्षर किए गए, जो निवेश स्थल के रूप में राज्य की क्षमता को उजागर करते हैं। उन्होंने कहा, '' दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान हमें 4,40,595 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इनसे पश्चिम बंगाल में रोजगार के हजारों अवसर उत्पन्न होंगे।''

मुख्यमंत्री ने 2011 से अपनी सरकार के विकास प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन उपायों से राज्य में 1.72 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठने में मदद की है। उन्होंने कहा, '' बुनियादी ढांचा, उद्योग और सामाजिक कल्याण पर हमारे निरंतर ध्यान से ये परिणाम आएं।''

बीजीबीएस 2023 संस्करण में बनर्जी ने कहा था कि पश्चिम बंगाल को 3.76 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। मुख्यमंत्री ने पिछले शिखर सम्मेलनों की सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले सात बीजीबीएस संस्करणों में 19 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ है, जिसमें से 13 लाख करोड़ रुपए का काम पहले ही पूरा हो चुका है।

दुनिया नई ऊर्जा प्रणाली की तरफ अग्रसर, भारत पुरानी आर्थिक सोच में फंसा है: राहुल

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि दुनिया एक नई ऊर्जा प्रणाली की ओर बढ़ रही है, जबकि भारत ''रिलायंस और अदाणी जैसे एकाधिकार वाले समूहों द्वारा नियंत्रित पुरानी आर्थिक सोच में फंसा हुआ है।'' कांग्रेस अध्यक्ष रह चुके राहुल गांधी ने नगालैंड के छात्रों के साथ अपनी हालिया बातचीत पर अपने यूट्यूब चैनल पर जारी एक वीडियो पोस्ट में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''हाल ही में नगालैंड के छात्रों से बात की और महसूस किया कि हमें उनकी संस्कृति के बारे में कितना कम सिखाया जाता है। पूर्वोत्तर भारत के दृष्टिकोण और विकास के लिए कहीं अधिक केंद्रबिंदु में होना चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा, ''दुनिया एक नई ऊर्जा प्रणाली की ओर बढ़ रही है, जहां इलेक्ट्रिक मोटर, बैटरी और ऑप्टिक्स सबसे महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां होंगी। फिर भी भारत पुरानी आर्थिक सोच में फंसा हुआ है, जो रिलायंस और अदाणी जैसे एकाधिकार द्वारा नियंत्रित है।'' राहुल गांधी का कहना था, ''हमारी नीतियां अब भी जीवाश्म ईंधन के पक्ष में हैं, जबकि चीन और अमेरिका ईवीएस, एआई और बैटरी तकनीक में आगे हैं।'' वीडियो में कांग्रेस नेता को छात्रों द्वारा बताया गया कि वे अपने हुलिये के कारण नस्लवाद का अनुभव करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की लक़ीर को छोटी कर अपनी लक़ीर बड़ी दिखाने की कोशिश की : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आज का भाषण ये दर्शाता है कि उन्होंने देश को धोखा देने की अपनी गलती मान ली है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की लक़ीर को छोटी कर के अपनी लक़ीर बड़ी दिखाने की कोशिश की।

खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, जो व्यक्ति सिर्फ़ इतिहास में रहता है वो वर्तमान और भविष्य का क्या निर्माण करेगा ! इस सरकार के हाथों में देश का भविष्य अंधकारमय है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी बेरोज़गारी, महंगाई, आर्थिक असामनता, मंदी, लुढ़कता रूपया, गिरता निजी निवेश और विफ़ल 'मेक इन इंडिया' पर बात करने के बजाय केवल कांग्रेस को कोसते रहे।

खरगे ने आरोप लगाया कि उन्होंने दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग और ग़रीब की योजनाओं की बात करने के बजाय इतिहास के तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर सदन को गुमराह करने का काम किया।

उन्होंने कहा, संविधान में पहला संशोधन इसलिए हुआ था ताकि पिछड़ी जातियों को आरक्षण दिया जाये और जमींदारी खत्म हो सके।

इसी संशोधन के माध्यम से संविधान में नौंवी अनसूची को जोड़ा गया, भूमि सुधार हुए और जमींदारी हटी।'' उन्होंने कहा, ''इसी संशोधन के माध्यम से संविधान में अनुच्छेद 15 (4) जोड़ा गया, जिस कारण एससी, एसटी, और बाद में ओबीसी को रोजगार और शिक्षा में आरक्षण मिल सका।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, कांग्रेस ने मुंबई से बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर को संविधान सभा में लाने के लिए अपने सदस्य एम आर जयकर का इस्तीफा कराया। वह पंडित नेहरू की ही सरकार में देश के पहले क़ानून मंत्री बनें।

कांग्रेस पार्टी चाहती थी कि बाबासाहेब सम्मान सहित राज्यसभा पहुंचे, इसमें उनकी मदद की। उन्होंने दावा किया कि बाबासाहेब अंबेडकर ने ही पत्र लिखकर खुलासा किया था कि उनकी हार का जिम्मेवार एस ए डांगे और विनायक सावरकर थे।

खरगे ने कहा, सच्चाई है कि कांग्रेस ने ही उदारीकरण किया। यह काम इंदिरा गांधी जी के समय में शुरु होकर राजीव गांधी जी, पी.वी. नरसिंह राव जी व डॉ मनमोहन सिंह जी ने इसे अंजाम तक पहुंचाया, जिसका परिणाम है कि आज भारत दुनिया की अर्थव्यवस्था से जुड़ा और हमने मध्य वर्ग का निर्माण किया।

उनके अनुसार, इंदिरा गांधी के गरीबी हटाओ कार्यक्रम से गरीबी कम हुई 1980 से 1985 के बीच 21 गरीबी लोग जो बीपीएल थे, मात्र 5 साल में गरीबी रेखा से ऊपर आ गए तथा अकेले कांग्रेस-संप्रग ने 27 करोड़ लोगों को ग़रीबी रेखा से बहार निकला।

ओडिशा ने 16वें वित्त आयोग से 12.59 करोड़ रु. की मांग रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने बृहस्पतिवार को 16वें वित्त आयोग के समक्ष 12.59 लाख करोड़ रुपए की मांग रखी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के नेतृत्व वाले ओडिशा सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने यहां 16वें वित्त आयोग के प्रमुख अरविंद पनगढ़िया की अगुवाई वाली टीम के साथ हुई बैठक में यह मांग रखी।

माझी ने 12.59 लाख करोड़ रुपए की कर मांग का ब्योरा देते हुए कहा कि ओडिशा ने पूर्व-हस्तांतरण राजस्व घाटे के एवज में 9,88,422 करोड़ रुपए, राज्य विशिष्ट निकायों के लिए 1,10,434 करोड़ रुपए, स्थानीय निकायों को अनुदान के लिए 1,00,036 करोड़ रुपए, एसडीआरएफ के लिए 31,004 करोड़ रुपए और राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष के लिए 29,252 करोड़ रुपए की मांग की है। वित्त आयोग इस समय ओडिशा के चार-दिवसीय दौरे पर है। आयोग की सिफारिश के आधार पर विभिन्न राज्यों को केंद्र से अनुदान मिलेगा।

माझी ने कहा, हमने 2026 से 2031 तक अगले पांच वर्षों की अवधि के लिए 12,59,148 करोड़ रुपए की मांग की है। ओडिशा सरकार ने केंद्रीय हस्तांतरण पूल में राज्य के हिस्से को मौजूदा 41% से बढ़ाकर 50% करने की मांग भी रखी है।

बीजद ने यूजीसी मसौदा नियमों का विरोध किया

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) विनियम, 2025 के मसौदे का विरोध किया और कुलपतियों एवं अन्य शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए प्रस्तावित प्रावधानों को खारिज कर दिया। यूजीसी अध्यक्ष को बुधवार को लिखे पत्र में बीजद समन्वय एवं गतिविधियां समिति के अध्यक्ष देबी प्रसाद मिश्रा ने कहा, ''पार्टी, कुलपतियों एवं अन्य शैक्षणिक कर्मचारियों के चयन और नियुक्ति पर यूजीसी विनियम, 2025 के मसौदे की संघीय व्यवस्था विरोधी प्रकृति को लेकर चिंता व्यक्त करती है।''

पत्र में कहा गया है कि बीजद ने विभिन्न कारणों से यूजीसी विनियमों के मसौदे को स्वीकार नहीं किया। बीजद के पत्र में कहा गया है, ''हम यूजीसी द्वारा प्रस्तावित यूजीसी 2025 के मसौदे पर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हैं।''

राष्ट्रपति भवन में तेंदुलकर ने कहा

आपको अपने साथियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाना आना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर मानते हैं कि साझेदारी हमेशा विश्वास से बढ़ती है और उन्होंने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रपति भवन में बताया कि वह जानते थे कि किसी खिलाड़ी से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने के लिए उसे किस तरह से नियंत्रित किया जाए। उन्होंने बताया कि वह जानते थे कि वीरेंद्र सहवाग को आक्रामक तेवर दिखाने और रक्षात्मक होकर खेलने के लिए कैसे नियंत्रित किया जा सके और युवराज सिंह को कैसे प्रेरित किया जाए।

टेस्ट और वनडे में क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी तेंदुलकर बृहस्पतिवार को यहां 'राष्ट्रपति भवन विमर्श श्रृंखला' सम्मेलन में मौजूद थे जहां प्रतिष्ठित हस्तियां लोगों के साथ अपने जीवन की यात्रा को साझा करती हैं।

तेंदुलकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अतिथि थे जहां इस खिलाड़ी ने उन्हें अपने हस्ताक्षर वाली भारतीय टेस्ट जर्सी भेंट की। इस स्टार के साथ उनकी पत्नी अंजलि और बेटी सारा भी थीं। उन्होंने इस बारे में बात की कि कैसे खेल सभी के साथ समान व्यवहार करता है।

तेंदुलकर ने कहा, ''आप अच्छी फॉर्म में हो सकते हैं लेकिन हो सकता है कि कोई और नहीं है तथा ऐसा हो सकता है कि कोई और अच्छी फॉर्म में है लेकिन आप नहीं हैं। एक टीम के रूप में आपको अच्छे और बुरे समय में एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। आपको अपने साथी पर भरोसा करने की जरूरत है। '' उन्होंने दर्शकों को अपने खेलने के दिनों के किस्से सुनाए। तेंदुलकर ने कहा कि हर टीम में अलग-अलग तरह के खिलाड़ी होते हैं और उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने के लिए उन्हें समझना जरूरी है। उन्होंने याद करते हुए कहा, ''सहवाग की बात करें तो मैं उससे जो चाहता था, वह उसके विपरीत काम करता था। इसलिए मैं वीरू से कुछ ओवर तक रक्षात्मक खेल चाहता था तो मैं उससे कहता था कि 'वीरू जाओ और गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाओ और बड़े छक्के लगाओ। तब वीरू कहता था 'नहीं पाजी, मुझे लगता है कि मुझे चार ओवर तक रक्षात्मक खेल दिखाना चाहिए और फिर छक्के मारने की कोशिश करनी चाहिए। ''

तेंदुलकर ने कहा, ''वीरू से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने के लिए मुझे इसके विपरीत कहना पड़ता था। मैं मुस्कुराता था क्योंकि मुझे जो चाहिए वो मिल गया होता। ''

हमीरपुर में शादी के कुछ ही घंटों बाद पैसे और आभूषण लेकर फरार हुई दुल्हन

हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के साही गांव में हुई एक शादी के कुछ ही घंटे बाद दुल्हन पैसा और आभूषण लेकर फरार हो गई। इस घटना के बाद युवक (दूल्हा) ने शादी में धोखाधड़ी के लिए पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दूल्हे जितेश शर्मा नेधोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए बताया कि बलदेव शर्मा नामक व्यक्ति ने शादी कराने के लिए 1.50 लाख रुपए लिये थे।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने 13 दिसंबर 2024 को गांव के एक मंदिर में परिवार के सामने पूरे रीति-रिवाज के साथ बबीता नामक युवती से शादी की थी। पीड़ित ने बताया कि युवती का जन्म प्रमाण पत्र न मिलने के कारण 'कोर्ट मैरिज' में बाधा आ रही थी। शर्मा ने आरोप लगाया कि दुल्हन शादी के बाद हरियाणा के यमुनानगर स्थित अपने घर चली गई क्योंकि उसकी मां बीमार थी और वह आभूषण भी अपने साथ ले गई थी।

लाहौर का गद्दाफी स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार: पीसीबी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में नवीनीकरण और आधुनिकीकरण का काम 117 दिन के रिकॉर्ड समय में पूरा हो गया है और अब यह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी सहित अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मेजबानी के लिए तैयार है।

पीसीबी ने एक बयान में कहा कि स्टेडियम में अब बेहतर सुविधाएं, नई फ्लडलाइट्स, हॉस्पिटैलिटी बॉक्स, अधिक दर्शकों के बैठने की क्षमता, इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड और शीर्ष स्तर के एलईडी टावर हैं। पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा, ''मैं उन सभी लोगों का आभारी हूं जिन्होंने आशंकाओं और आलोचनाओं के बावजूद स्टेडियम को समय पर तैयार करने के लिए दिन-रात काम किया।'' हाल ही में यह बताया गया था कि पीसीबी काम पूरा करने में कम से कम पांच सप्ताह पीछे चल रहा है। पीसीबी को 12 फरवरी तक स्टेडियम को आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) को सौंपना है क्योंकि टूर्नामेंट एक सप्ताह बाद शुरू होगा। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ शुक्रवार को एक समारोह के दौरान स्टेडियम का आधिकारिक उद्घाटन करेंगे जहां अली जफर, आइमा बेग और आरिफ लोहार जैसे प्रसिद्ध कलाकार प्रस्तुति देंगे।

नकवी ने कहा, ''मैं उन लगभग 1000 श्रमिकों का विशेष रूप से आभारी हूं जिन्होंने इस सपने को संभव बनाया है।''

पदार्पण पर चमके हर्षित, भारत ने इंग्लैंड को 248 रन पर समेटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने पदार्पण करते हुए तीन विकेट चटकाए जिससे भारत ने जोस बटलर और जेकब बेथेल के अर्धशतक के बावजूद इंग्लैंड को बृहस्पतिवार को यहां पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 248 रन पर समेट दिया।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए आक्रामक शुरुआत की लेकिन भारत ने अनुशासित गेंदबाजी और शानदार क्षेत्ररक्षण की बदौलत वापसी की। राणा (53 रन पर तीन विकेट) और अनुभवी रविंद्र जडेजा (26 रन पर तीन विकेट) ने तीन-तीन विकेट चटकाकर मेहमान टीम को 47.4 ओवर में समेटने में अहम भूमिका निभाई। इंग्लैंड की ओर से कप्तान बटलर (52) और बेथेल (51) ने अर्धशतक जड़े जबकि सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट (43) ने भी उपयोगी पारी खेली। एकदिवसीय क्रिकेट में पदार्पण कर रहे राणा के पहले ही ओवर में सॉल्ट ने दो चौके मारे और फिर छठे ओवर में इस तेज गेंदबाज पर तीन छक्कों और दो चौकों से 26 रन बटोरे। कप्तान रोहित शर्मा ने रन गति पर अंकुश लगाने के लिए गेंद बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल (38 रन पर एक विकेट) को थमाई।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने हालांकि आक्रामक रवैया जारी रखा और बेन डकेट (32) ने अक्षर पर लगातार दो चौके मारे। इंग्लैंड की टीम हालांकि जब मजबूत स्थिति में पहुंचती दिख रही थी तब दोनों सलामी बल्लेबाजों के बीच गलतफहमी के कारण श्रेयस अय्यर के सटीक थ्रो पर विकेटकीपर लोकेश राहुल ने सॉल्ट को रन आउट कर दिया। राणा के ओवर में 26 रन बनाकर इंग्लैंड ने लय हासिल की थी जब उनके पारी के चौथे ओवर में दो विकेट से भारत ने वापसी की। पदार्पण कर रहे यशस्वी जायसवाल ने राणा की गेंद पर मिडविकेट से पीछे की ओर 21 मीटर दौड़ते हुए डकेट का शानदार कैच लपका।

राणा ने दो गेंद बाद हैरी ब्रूक (00) को भी राहुल के हाथों कैच करा दिया जिससे इंग्लैंड का स्कोर बिना विकेट के 75 रन से तीन विकेट पर 77 रन हो गया। टीम के दो सबसे अनुभवी बल्लेबाजों जो रूट (19) और बटलर पर अब पारी को संवारने की जिम्मेदारी थी लेकिन जडेजा ने रूट को पगबाधा करके इंग्लैंड को बड़ा झटका दिया। बटलर ने बेथेल के साथ 59 रन की साझेदारी की और इस दौरान अपना अर्धशतक भी पूरा किया। कप्तान हालांकि इसके बाद अक्षर की गेंद को हवा में खेलकर शॉर्ट फाइन लेग पर हार्दिक पंड्या को कैच दे बैठे। उन्होंने 67 गेंद की अपनी पारी में चार चौके मारे। इक्कीस साल के बेथेल ने एक छोर संभाले रखा और अर्धशतक पूरा किया। जडेजा ने हालांकि उन्हें पगबाधा करके इंग्लैंड की मजबूत स्कोर तक पहुंचने की उम्मीदों को तोड़ दिया। बेथेल ने 64 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और एक छक्का मारा।

पहले वनडे से पहले विराट कोहली के घुटने में दर्द ने भविष्य के लिए चिंता बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। दाएं घुटने में दर्द के कारण विराट कोहली बृहस्पतिवार को इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे से बाहर हो गए लेकिन समस्या की गंभीरता अभी फिलहाल स्पष्ट नहीं है। मौजूदा श्रृंखला के साथ ही भारत चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों के अंतिम चरण में पहुंच गया है और टीम पहले से ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता को लेकर संदेह से जूझ रही है। चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी को पाकिस्तान में शुरू होगी जबकि भारत 20 फरवरी से दुबई में अपने सभी मैच खेलेगा।

टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि विराट कोहली की घुटने की चोट बहुत गंभीर नहीं है और वह इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले के बाकी दो मैचों में खेलने के लिए तैयार हैं। दूसरा मैच नौ फरवरी को कटक में होगा और इसके बाद 12 फरवरी को अहमदाबाद में श्रृंखला का अंतिम मैच होगा। कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस के समय यह कहकर सभी को हैरान कर दिया, ''दुर्भाग्य से विराट कोहली नहीं खेल रहे हैं, उन्हें कल रात से दाएं घुटने में परेशानी हो रही है।''

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हमेशा की तरह कम जानकारी देने का रिकॉर्ड बरकरार रखते हुए एक पंक्ति का बयान दिया जिसमें रोहित द्वारा कहे शब्दों से ज्यादा कुछ नहीं था। बोर्ड के अपडेट में कहा गया है, ''विराट कोहली दाएं घुटने में दर्द के कारण पहले वनडे में चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।''

सुविचार

गुणों के सहारे ही व्यक्ति सफल हो पाता है, मगर विनय और विवेक साथ हो तो शिखर छू जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

क्यों बनें 'अनचाहे' मेहमान?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। इससे उन लोगों के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं, जो अवैध तरीके से अमेरिका में दाखिल हुए या वहां रह रहे हैं। ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने के मुद्दे को खूब हवा दी थी। अमेरिका में यह बहुत बड़ा मुद्दा बन गया है। ट्रंप तर्क देते रहे हैं कि उनके देश में अवैध प्रवासी नौकरियों पर कब्जा कर रहे हैं। अब उनकी पकड़–धकड़ और स्वदेश रवानगी से जहां ऐसे लोगों में डर का माहौल है, वहीं ट्रंप समर्थक खासे उत्साहित हैं। इसी सिलसिले में अमेरिका का एक सैन्य विमान 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर अमृतसर के हवाईअड्डे पर उतरा। इन लोगों ने जो आपबीती सुनाई, उससे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। अमेरिका मानवाधिकारों समेत कई तरह के अधिकारों को लेकर दुनिया को उपदेश देता है। वहीं, उसका प्रशासन इन लोगों को लेकर जिस तरह अमृतसर पहुंचा, उससे कहीं भी उन उपदेशों पर अमल होता नहीं दिखा। इन्हें सैन्य विमान से क्यों भेजा गया? ये लोग रोजगार हासिल करने के लिए गए थे। ये कोई खतरनाक अपराधी तो नहीं थे! हां, इन्हें अमेरिका में प्रवेश एवं निवास संबंधी नियमों का पालन करना चाहिए था। किसी भी देश में गलत तरीके से दाखिल होने, वहां रहने को उचित नहीं ठहराया जा सकता। इनके खिलाफ कार्रवाई को इस तरह दिखाना भी ठीक नहीं कि गोया इन्होंने अमेरिका में कोई जंग छेड़ दी थी और बाद में बंदी बना लिए गए! ये लोग अमेरिकी समाज का हिस्सा बनने गए थे, उसकी अर्थव्यवस्था में योगदान देना चाहते थे। इन्हें सैन्य विमान में बैठाकर स्वदेश भेजना ट्रंप प्रशासन के अहंकार को दर्शाता है। ट्रंप तो तीखे तेवर दिखाते ही थे, अब उनके अधिकारी भी दिखाने लगे हैं। यूएसबीपी के प्रमुख ने इन लोगों को 'एलियंस' बताते हुए कहा है कि अगर आप अवैध रूप से सीमा पार करते हैं तो आपको 'हटा' दिया जाएगा।

ट्रंप के आदेश पर जो कार्रवाई हो रही है, उसके तौर–तरीकों पर सवाल उठाए जा सकते हैं, लेकिन इसके दूसरे पहलू को ध्यान में रखना चाहिए। वे अमेरिका के राष्ट्रपति हैं। उन्हें अपने नागरिकों के लिए नीतियां बनाने का अधिकार है। अमेरिका में विदेश से आकर कौन रहेगा, कौन नहीं रहेगा, इसका फैसला करने के लिए उसकी सरकार स्वतंत्र है। जो लोग लाखों रुपए खर्च कर अवैध तरीके से अमेरिका गए थे, उन्हें ऐसा कदम नहीं उठाना चाहिए था। ताज्जुब होता है कि किसी ने 40 लाख, किसी ने 60 लाख तो किसी ने इससे कहीं ज्यादा रकम खर्च कर दी, ताकि अमेरिका जा सकें, वहां रह सकें! इसके लिए उन्होंने रास्ते में भयंकर कठिनाइयां बर्दाश्त कीं, अमेरिकी अधिकारियों का अपमानजनक बर्ताव झेला। क्या अमेरिका कोई स्वर्ग है कि वहां जाते ही तमाम दु:ख–दर्द गायब हो जाएंगे और आसमान से फूल बरसने लगेंगे? अगर इतनी बड़ी रकम खर्च करनी ही थी तो कोई हुनर सीख लेते और भारत में ही स्वरोजगार कर लेते। अगर कोई हुनरमंद व्यक्ति ऊपर बताई गई रकम का दसवां हिस्सा लगाकर भी भारत में स्वरोजगार करे तो बहुत सम्मानजनक ढंग से जीवन जीते हुए अच्छी कमाई कर सकता है। हम क्यों अमेरिका के प्रति 'मान न मान, मैं तेरा मेहमान' का रवैया अपनाते हैं? यहां लोग चालीस लाख रुपए शादियों में लगा देंगे, लेकिन 50 हजार रुपए लगाकर कोई हुनर नहीं सीखेंगे। अमेरिका जाकर खेतों में मजदूरी कर लेंगे, उनकी डांट–डपट बर्दाश्त कर लेंगे, लेकिन भारत में रहकर अपने खेत में काम करना शान के खिलाफ समझेंगे। आज हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ रही है। लोगों की क्रय क्षमता में इजाफा हो रहा है। हमारा देश डिजिटल पेमेंट, ऑनलाइन शॉपिंग में नए–नए रिकॉर्ड बना रहा है। जब यहां इतना बड़ा बाजार है, इतनी मांग है तो इस तरह विदेश क्यों जाएं कि पूरी जमा–पूंजी खर्च हो जाए, खेत–मकान बेचने पड़ें, कर्ज लेना पड़ जाए और वहां अपमानित भी होना पड़े? यहीं कोई हुनर सीख लें और अपनी मेहनत से अपने देश को बेहतर बनाएं। तुलसी बाबा तो बहुत पहले कह चुके हैं– 'आवत हिय हरषै नहीं, नैनन नहीं सनेह। तुलसी तहां न जाइए, कंचन बरसे मेह।।'

ट्वीटर टॉक

इस सदन में कांग्रेस के माननीय सदस्य मौजूद हैं, जिनके पिताजी के पास खुद के पैसे थे और वो कार खरीदना चाहते थे, लेकिन 15 साल तक उन्हें कार खरीदने के लिए इंतजार करना पड़ा था, वो भी कांग्रेस के ही राज में।

–नरेन्द्र मोदी

मेरे साथी एवं कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ जी के पूज्य पिताश्री कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ जी के देवलोकगमन के पश्चात उनके निज निवास पर पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा शोक संतप्त परिवारजनों का धीरज बंधाया।

–भजनलाल शर्मा

आज लंदन वर्ल्ड बुक रिकार्ड के प्रतिनिधि प्रथम भल्ला जी ने जयपुर में सामूहिक सूर्य नमस्कार के नवीन विश्व कीर्तिमान हेतु अंतरिम प्रमाण–पत्र प्रदान किया। राजस्थान शिक्षा विभाग के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में 1.53 करोड़ नागरिकों ने एक साथ सूर्य नमस्कार किया।

–मदन दिलावर

प्रेरक प्रसंग

तकलीफ से सबक

एक बादशाह अपने कुत्ते के साथ नाव में यात्रा कर रहा था। नाव में एक दार्शनिक भी था। कुत्ता नौका में बहुत उछलकूद कर रहा था। मल्लाह उसकी उछलकूद से बेहद परेशान था, डर था कि वह भी डूबेगा और दूसरों को भी ले डूबेगा। खुद बादशाह भी गुस्से में था। नाव में बैठा वह दार्शनिक बादशाह के पास गया और बोला, 'सरकार! अगर आप इजाजत दें तो मैं इस कुत्ते को भीगी बिल्ली बना सकता हूं।' बादशाह की अनुमति के बाद दार्शनिक ने उस कुत्ते को नाव से उठाकर नदी में फेंक दिया। कुत्ता तैरता हुआ नाव के खूंटे को पकड़ने लगा। उसको अब अपनी जान के लाले पड़ रहे थे। कुछ देर बाद दार्शनिक ने उसे खुद ही खींचकर दोबारा से नाव में चढ़ा लिया। अब कुत्ता चुपके से जाकर एक कोने में बैठ गया। बादशाह ने दार्शनिक से पूछा, 'यह पहले तो उछलकूद और शरारती हरकतें कर रहा था। अब कैसे यह पालतू बकरी की तरह शांत बैठा है?' दार्शनिक बोला, 'खुद तकलीफ चखे बिना किसी को दूसरे की विपत्ति का अहसास नहीं होता है। इसको जब मैंने पानी में फेंक दिया तो इसे पानी की ताकत और इस सुरक्षित नाव की उपयोगिता समझ में आ गयी।

सामयिक

प्रयाग कुम्भ : नभ में फहरते तीर्थ पुरोहितों के ध्वज-निशान

प्रमोद दीक्षित मलय
मो.: 9452085234

लेख का आरम्भ मैं एक श्लोक की पंक्ति से करता हूं– मंगलं भगवान विष्णु, मंगलं गरुड़ध्वज:, अर्थात जिनके ध्वज में पक्षी गरुण अंकित है, ऐसे भगवान विष्णु हमारा मंगल करें। प्रत्येक देवी–देवता के वाहन में लगे ध्वज में कोई न कोई प्रतीक चिह्न अवश्य अंकित है जो आध्यात्मिक अर्थों को सहेजे हुए है। ऐसे ही महाभारतकालीन योद्धाओं के रथों में जो ध्वज लहरा रहे थे, उनमें प्रतीक चिह्न अंकित थे ताकि योद्धा दूर से पहचाने जा सकें।राजा–महाराजाओं के राज्य में भी प्रतीक चिह्न हुआ करता था जिसे सार्वजनिक कार्यक्रमों में ससम्मान प्रदर्शित किया जाता था और राजा के किसी अभियान में जाने पर राजचिह्न अंकित ध्वज सम्मानपूर्वक लेकर अश्वारोही और पैदल सैनिक आगे–आगे चलते थे। वर्तमान युग में भी देशों के अपने ध्वज होते हैं जो एक रंग के या रंग–बिरंगे होते हैं और उनमें कोई चिह्न छपा होता है। शैक्षिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं, स्कूल, कालेज एवं विश्वविद्यालयों, सरकारी संस्थाओं, प्रदेशीय सरकारों के प्रतीक चिह्न/लोगो होते हैं। ये प्रतीक चिह्न सम्बंधित संस्थान की दृष्टि, विचार एवं उद्देश्य तथा पहचान को प्रकट करते हैं। अपने प्रतीक चिह्न के आदर्श को बनाये रखने के लिए नागरिक या कार्यालयों के कर्मचारी सदाचरण करते हैं।

पाठकों की जानकारी के लिए मैं महाभारतकालीन योद्धाओं के ध्वज और उनमें अंकित चिह्नों के बारे में लिखना उचित समझता हूं। कौरव पक्ष के वयोवृद्ध योद्धा देवव्रत भीष्म के रथ पर फहरते विशाल ध्वज पर ताड़ का ऊंचा वृक्ष और 5 तारे अंकित थे, गुरु द्रोणाचार्य के ध्वज में वेदिका, एक कटोरा और धनुष–बाण चित्रित थे। कौरव कुलगुरु कृपाचार्य के ध्वज पर गाय–बैल या सांड का चित्र था और द्रोण पुत्र अश्वत्थामा के स्वर्ण सज्जित ध्वज पर उगते सूर्य की आभा सहेजे शेर की पूंछ शोभायमान थी तो हल अंकित ध्वज मद्र नरेश के रथ पर फहर रहा था। जयद्रथ की ध्वजा पर रजत वराह तो

युवराज दुर्योधन के ध्वज पर फन पर जड़ित हीरायुक्त सर्प का चिह्न था। दानवीर कर्ण के रथ पर श्वेत शंख और सोने की बनी रस्सी थी। पांडव पक्ष में युधिष्ठिर के ध्वज पर नक्षत्रयुक्त चंद्रमा, भीम के ध्वज पर चांदी से बना विशाल शेर बना था। सुंदर नकुल का झंडा निशान था स्वर्ण पीठ वाला हिरन और सहदेव का ध्वज चिह्न था चांदी का हंस। अर्जुन के कपिध्वज पर हनुमान जी स्वयं विराजमान थे, अभिमन्यु के ध्वज की पृष्ठभूमि में पीले पत्तों वाला वृक्ष बना था। वीर घटोत्कच के झंडे पर गिद्ध अंकित था तो बलराम के झंडे पर ताल वृक्ष। ऐसे ही अन्यान्य योद्धाओं के ध्वज पर विशेष चिह्न अंकित थे जो उनकी पहचान और विशिष्टता को प्रदर्शित करने वाले थे।

पाठक सोच रहे होंगे कि मैं ध्वज और उनमें अंकित चिह्नों की चर्चा क्यों कर रहा हूं। दरअसल आजकल मैं महाकुंभ प्रयागराज में कल्पवास कर रहा हूं। पौष पूर्णिमा 13 जनवरी से आरंभ हुआ कल्पवास माघ पूर्णिमा 12 फरवरी को पूर्ण होगा। कल्पवास की मास पर्यंत अवधि हेतु रहने आदि का प्रबंध प्रयागराज के तीर्थ पुरोहित करते हैं, जिन्हें सामान्यत: पंडा कहा जाता है। ये पंडे ब्राह्मण वर्ग से हैं और सदियों से पीढ़ी दर पीढ़ी तीर्थयात्रियों को कल्पवास करने हेतु आवास आदि की व्यवस्था करते आयें हैं। तीर्थयात्रियों द्वारा गंगा स्नान पश्चात पूजन संकल्प और अन्य धार्मिक कर्मकांड करवाने के बाद श्रद्धापूर्वक प्राप्त दान–दक्षिणा ही पंडों की आय का एकमात्र स्रोत है। कुम्भ के आयोजन और वार्षिक माघ मेले के बाद अन्य महीनों में भी ये पंडे दूर–दूर से आने वाले अपने यजमानों के रहने एवं भोजन आदि का समुचित प्रबंध करते हैं। प्रत्येक पंड़े का देश भर में एक या कुछ जनपद निश्चित हैं और उन जनपदों के निवासी यजमान अपने सभी धार्मिक अनुष्ठान एवं कर्मकांड केवल अपने पंडा से ही करवाते हैं। प्रत्येक पंड़ा का गंगा घाट पर एक स्थान निश्चित है जिसे उनकी भाषा में तखत कहा जाता है। जानकर आश्चर्य होगा कि प्रत्येक पंडे के तखत का एक रजिस्टर्ड नम्बर होता है, जिसे वे पोस्टर या बैनर पर अंकित करवाते हैं। यह तखत नम्बर प्रशासन द्वारा उन्हें आवंटित किया जाता है। जब मेरे मन में कल्पवास करने की प्रेरणा–इच्छा हुई तो मैंने अपने गांव बल्लान जिला बांदा के पंडा माधौप्रसाद पंडा के वंशज आशीष पंडा जी से सम्पर्क किया और मेरा पूरा प्रबंध हो गया।

जब मैं कल्पवास करने पहुंचा तो देखा कर दंग रह गया कि तम्बुओं का व्यवस्थित नगर बसा हुआ है। प्रत्येक पंडा को गंगा की रेती पर कुछ भूभाग आवंटित किया गया है जिसे टीन की चादरों की चारदीवारी से सुरक्षित कर उसके अंदर तम्बू लगाए गये हैं। इस स्थान को बाड़ा या छावनी भी कहा जाता है। प्रत्येक बाड़े में पानी की आपूर्ति हेतु नल एवं टोंटी लगे हैं, प्रत्येक तम्बू में प्रकाश हेतु विद्युत तार एवं बल्ब का प्रबंध है। मांग पर तम्बू के बाहर शौचालय भी स्थापित कर दिया जाता है। बाड़े के बाहर सैकड़ों सार्वजनिक शौचालय हैं और खाली मैदान भी पड़ा है। मैंने अपने तम्बू के पीछे एक शौचालय और नल स्थापित करवाया है।

एक सुबह मैंने देखा कि इस तम्बू नगरी के नील गगन में सैंकड़ों ध्वज–पताका फहर रहे हैं जिन पर तरह–तरह के चिह्न अंकित हैं। इन झंडों पर बने चित्र आमजन के दैनिक प्रयोग की वस्तुओं से जुड़े हैं, यथा – नारियल, मछली, पीतल की कड़ाही, लोटा, घंटा, चांदी का नारियल, जटा वाला नारियल, निहाई और हथौड़ा, चौखुटा क्रास, दो लौकी, हाथ का पंजा, सूरज, लालटेन और ढाल, टेढ़ी नीम, बारहखम्भा, चरण पादुका, बरगद का पेड़, डलिया, पांच राइफल, ऊंट, घोड़ा, हाथी, रेडियों, पांच सैनिक, दीपक, पान का पत्ता सहित लाल, हरे, नीले आयताकार सादे झंडे। किसी–किसी बाड़े में झंडा निशान के साथ ही झंडे में अंकित वस्तु भी एक ऊंचे बांस पर टांग दी गयी है।

इतनी तरह के झंडा निशान क्यों, मैंने अपनी जिज्ञासा लालटून का झंडा वाले आशीष पंडा के सम्मुख रखी। वे कहते हैं कि यह सदियों से पंडों की पहचान का आधार रहे हैं। जब जनता–यजमान पढ़े–लिखे नहीं होते थे तब वे संगम क्षेत्र में अपने तीर्थ पुरोहित पंडा को आसानी से पहचान सकें, इसके लिए झंडा और निशान बनाए गये थे। यह सुन मैं आश्चर्यचकित था कि तभी मैंने एक प्रश्न प्रकट किया कि ये झंडा निशान का निर्धारण कौन करता है। पास ही बैठे श्याम पंडा के पुत्र गौतम बोले कि पंडों की अपनी एक समिति है प्रयागवाल समिति। यही समिति झंडा निशान तय करती है। वास्तव में, पंडों के झंडों की यह दुनिया बहुत विशाल, रोचक, प्रेरक और परम्परा को सहेजे यजमानों के हित–कल्याण हेतु अहर्निश साधनारत है।

नजरिया

अवैध प्रवासियों की बेहूदा तरीके वापसी से जुड़े सवाल

ललित गर्ग
मो.: 9811051133

डंकी रूट यानी गैरकानूनी तरीके से अमेरिका गये करीब 200 भारतीयों को राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने जिस असुविधा एवं अपमानजनक तरीके से अपने सैनिक विमान से बलपूर्वक भारत भेजा है, उससे अनेक प्रश्न खड़े हुए हैं। बेहतर भविष्य की तलाश में आए अवैध प्रवासियों को बेहूदा तरीके से खदेड़ा जाना विडम्बनापूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। पूरे विश्व को लोकतांत्रिक मूल्यों एवं मानव अधिकारों की नसीहत देने वाले अमेरिका ने जिस तरीके से विभिन्न देशों के कथित अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई की है, उस पर अनेक देशों ने आपत्ति जताई है। भले ही भारत ने इसे मुद्दा बनाने से परहेज करते हुए राजनीतिक कूटनीति की दृष्टि से ठीक किया हो, लेकिन भारत लौटे अप्रवासियों की चिन्ता एवं दर्द को समझना भारत–सरकार की प्राथमिकता बननी चाहिए। सुनहरे सपनों की आस में जीवनभर की पूंजी दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपये लुटाकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा। ये हमारे नीति–नियंताओं की विफलता एवं विदेश नीति की नाकामी तो है ही, दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत के साथ ऐसा व्यवहार अमेरिका के अहंकारी एवं संकीर्णतावादी सोच को भी दर्शा रहा है। अवैध प्रवासियों की उचित तरीकों से पहचान कर उन्हें उनके देशों को वापस भेजा जाना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। भारत का इस मामले में शुरू से सहयोगात्मक रुख रहा है। लेकिन एक जायज सवाल वापसी के तौर–तरीके को लेकर उठना असंगत नहीं कहा जा सकता है।

निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पूर्व जबरन की गई अवैध प्रवासी भारतीयों की निर्वासन उड़ान विसंगतियों व विडंबनाओं की ही घोतक है। हालांकि, भारत ने कूटनीतिक प्रयासों से अवैध अप्रवासन पर समयानुकूल निर्णय लेकर दोनों देशों में संबंध सामान्य बनाने के प्रयास को गलत नहीं कहा जा सकता। गलत तरीकों से अमेरिका में आये लोगों को उनके देश का रास्ता दिखाना भी गलत नहीं कहा जासकता, लेकिन जिस तौर–तरीके से यह कार्रवाई की गयी है, उस पर प्रश्न टंकने स्वाभाविक है। हालांकि यह कोई पहला मौका नहीं है जब अवैध प्रवासी भारतीय वापस भेजे गए हों। लेकिन इस बार कई ऐसी बातें हैं, जो इसे अतीत की ऐसी घटनाओं से अलग एवं चर्चा का विषय बनाती हैं। दरअसल, अमेरिका की हालिया यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमीनी स्तर पर बेहतर कूटनीतिक प्रयास करते हुए ट्रंप प्रशासन को इस बात को लेकर आश्वस्त किया कि भारत अपने भटके हुए नागरिकों की वैध वापसी के लिये तैयार है। निस्संदेह, भारत ने समझदारी से टकराव टालने का सार्थक प्रयास

अवैध तरीकों से डंकी रूट से अमेरिका आदि देशों में युवाओं को भेजकर जानलेवा अंधी गलियों में धकेलने वाले एजेंटों ने भले ही मोटी कमाई की हो, लेकिन इस काले कारनामों एवं गौरखधंधे पर समय रहते कार्रवाई न होना सरकार की बड़ी विफलता है। मोटी कमाई और चमकीले सपनों का सम्मोहन युवाओं की सोचने-समझने की शक्ति को ही कुंद कर देता है कि वे अपनी जान तक को भी जोखिम में डाल देते हैं। दरअसल, डंकी रूट अमेरिका आदि देशों में जाने का एक ऐसा अवैध रास्ता है, जिसमें सीमा नियंत्रण के प्रावधानों को धता बताकर एक लंबी व चक्करदार यात्रा के माध्यम से दूसरे देश ले जाया जाता है।

किया ताकि मोदी–ट्रंप की मुलाकात से पहले दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट न घुले। निश्चय ही हटी, अहंकारी एवं तुनक मिजाज ट्रंप व उनके प्रशासन से इस मुद्दे पर अड़ने से दोनों देशों के संबंधों के आहत होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

हमारे देश के युवा अमीर देशों में पलायन करने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाते रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या गरीबी से छुटकारा पाने वालों एवं आकांक्षाओं से भी जुड़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही विदेश में निम्न–स्तरीय नौकरियां मिले लेकिन बेहतर वेतन के लोभ में युवा ऐसी नौकरियां करते हैं। भारत में बेरोजगारी का आलम यह है कि कुछ हजार कर्मियों की भर्ती के लिये लाखों से भी अधिक युवा–प्रार्थी आवेदन करते हैं। थक–हारकर ऐसी एवं अन्य नौकरियों के लिये कोशिशों में नाकाम रहने वाले युवा विदेशों की ओर पलायन करते हैं। कई लोगों की राय में अमेरिका में होने वाली अच्छी कमाई डंकी रूट की जोखिमों, परेशानियों, अपमान एवं कानूनी भय की भरपाई कर देती है। कई परिवारों ने कहा कि उनके बेटे और भतीजे हर महीने कम से कम दो लाख रुपये घर भेजते हैं और वे मुख्य रूप से गैस स्टेशन, मॉल, किराना स्टोर और रेस्तरां में फुल या पार्ट टाइम जॉब करते हैं। इस तरह होने वाली कमाई से न केवल उन्हें कर्ज उतारने, स्कूल की फीस भरने, दहेज, घर की मरम्मत और नई कार खरीदने में मदद मिली, बल्कि इससे उनकी सामाजिक स्थिति भी सुधरी। माना जाता है कि हाल के वर्षों में देखे गए वीजा बैकलॉग ने भी कुछ संभावित प्रवासियों को डंकी रूट अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

भारतीयों का विदेशों में बढ़ता पलायन और विशेषत: डंकी रूट से विदेश जाने की होड भारत के विकास पर एक बदनुमा दाग है। यह सरकार की विफलता ही है कि वह अपने युवाओं को उचित नौकरी नहीं दे पा रही है। इसी कारण अमेरिका जैसे देशों में भारतीय युवा अपने सपनों को पूरा होते हुए देखते है। हालांकि, एक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत, अमेरिका में गए सर्वाधिक अवैध अप्रवासियों वाले देशों में शुमार है। भारत इस तथ्य को समझता है कि मूल मसला इन अवैध प्रवासियों का वापस आना नहीं बल्कि उनका यह मान लेना है कि इस देश में उनका कोई भविष्य नहीं है। तभी तो वे अपनी जमा–पूंजी गंवाकर और जान का जोखिम मोल लेकर भी अमेरिका–कनाडा जैसे देशों का रुख करते हैं। ध्यान रहे, वैध तरीकों से अमेरिका पहुंचे और वहां रह रहे भारतीयों ने मेहनत और प्रतिभा–कौशल के बल पर अपनी अच्छी जगह बनाई है। न केवल अपनी जगह बनाई बल्कि अमेरिका के विकास में योगभूत बने हैं। लाखों भारतवंशियों ने अपनी मेधा व पसीने से अमेरिका की प्रतिष्ठा पर चार–चांद लगाए हैं। यही कारण है कि दो साल पहले वहां एक भारतीय परिवार की औसत आमदनी की तुलना में एक लैटिन अमेरिकी परिवार की औसत आमदनी काफी कम रही है। यही कारण है कि इस बार के अमेरिकी चुनाव में यह एक बड़ा मुद्दा भी बना था और राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद डॉनल्ड ट्रंप इस मसले को रेखांकित भी किया, इस वजह से अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय की छवि भी प्रभावित हुई है।

भारतीयों में विदेश जाकर पढ़ने और नौकरी का क्रेज है, यह सालों से रहा है। पंजाब, गुजरात के लोगों ने अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन में अपनी अच्छी जगह बनाई है लेकिन हाल के सालों में बहुत सारे भारतीय गैर–कानूनी यात्रा के शिकार होकर कुछ ने अपनी जान गवांई है तो कुछ अनेक तकलीफों का सामना कर रहे हैं।

अवैध तरीकों से डंकी रूट से अमेरिका आदि देशों में युवाओं को भेजकर जानलेवा अंधी गलियों में धकेलने वाले एजेंटों ने भले ही मोटी कमाई की हो, लेकिन इस काले कारनामों एवं गौरखधंधे पर समय रहते कार्रवाई न होना सरकार की बड़ी विफलता है। मोटी कमाई और चमकीले सपनों का सम्मोहन युवाओं की सोचने–समझने की शक्ति को ही कुंद कर देता है कि वे अपनी जान तक को भी जोखिम में डाल देते हैं। दरअसल, डंकी रूट अमेरिका आदि देशों में जाने का एक ऐसा अवैध रास्ता है, जिसमें सीमा नियंत्रण के प्रावधानों को धता बताकर एक लंबी व चक्करदार यात्रा के माध्यम से दूसरे देश ले जाया जाता है। इतना ही नहीं, कभी उन्हें पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधी बंधक बनाकर ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं, तो कभी उन्हें धोखे से बिचौलिए रूसी सेना में भर्ती करवा देते हैं। कभी उन्हें इस्राइल–हमास के भयावह युद्धग्रस्त इलाके में काम की तलाश में पहुंचा दिया जाता है।

अमेरिका से लौटे भारतीयों के दर्द को कम करना होगा एवं समझना होगा। इसके लिये भारत सरकार को व्यापक प्रयास करने होंगे। एक तो अवैध तरीकों से लोगों को विदेश पहुंचाने वाले गिरोहों के खिलाफ सख्त मुहिम चलानी होगी ताकि इस प्रक्रिया पर रोक लगे। दूसरी बात यह कि इसके साथ–साथ भारत में नौकरियों के नए अवसर बनाने पर भी ध्यान देना होगा। ऐसे में एक अहम सवाल यह भी है कि क्या भारत के पास अमेरिका से निर्वासन के लिये चिन्हित अपने करीब अट्ठारह हजार कथित अवैध प्रवासी नागरिकों के पुनर्वास को लेकर कोई योजना है? सरकार कैसे सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में ये लोग फिर किसी आप्रवासन का दुस्साहस नहीं करेंगे? अन्यथा भारत का युवा हर मोर्चे पर ऐसे अपमान, दर्द, परेशानी के दंश को झेलता रहेगा।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

महाकुंभ में युवाओं की बढ़ती भागीदारी पर साधु संत खुश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुम्भ नगर। महाकुंभ में युवाओं की बढ़ती भागीदारी से संत समाज प्रसन्न है। उनका कहना है कि यह महाकुम्भ कई मायनों में बेहद सफल रहा है। इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि इस बार सर्वाधिक संख्या में देश के युवा वर्ग की इसमें भागीदारी रही है। ऐसी भागीदारी आज तक नहीं देखी गई। सनातन संस्कृति के सबसे बड़े समागम प्रयागराज महाकुम्भ में बसंत पंचमी का अमृत स्नान पूर्ण होने के बाद अब धीरे-धीरे यह आयोजन अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि 7 फरवरी से यहां अखाड़ों की रवानगी शुरू हो जाएगी। श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़ा के महामंडलेश्वर संपूर्णानंद महाराज ने कहा कि महाकुम्भ में इस बार 50 प्रतिशत से ज्यादा वो युवा शामिल हुए, जिनकी उम्र 30 से भी कम रही। ये दिखाता है कि सनातन के प्रति आज के युवाओं में आस्था तेजी से बढ़ रही है और इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जाता है, जिन्होंने विगत कुछ वर्षों में सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण के लिए काफी काम किया है।

महाकुम्भ 2025 में इस बार बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी रही है। बड़ी संख्या में युवा अकेले या अपने परिजनों को लेकर महाकुम्भ में पहुंचे हैं। संपूर्णानंद महाराज के अनुसार, विगत कुछ वर्षों में भारत में जो सांस्कृतिक पुनर्जागरण हुआ है, उससे युवाओं में सनातन संस्कृति को समझने और उसे आत्मसात करने की प्रेरणा मिली है। बड़ी संख्या में युवा महाकुम्भ में सत्संग, कीर्तन का हिस्सा बन रहे हैं। महाकुम्भ में चल रहीं राम कथा, भागवत समेत तमाम प्रवचनों में जाकर सनातन के विचारों और आध्यात्म को जानने का प्रयास कर रहे हैं। 18 से 30 वर्ष के तमाम युवा हमारे पास अपनी संस्कृति को समझने, उसका उद्देश्य जानने के लिए आ रहे हैं।

आज गूगल पर सबसे ज्यादा सनातन और आध्यात्म को सर्वाधिक सर्च किया जा रहा। रील बनाने वाली युवा पीढ़ी अब रीयल लाइफ जीना चाह रही है। यह महाकुम्भ युवाओं को जागृत करने वाला साबित हो रहा है। यह आगामी पीढ़ी के लिए शुभ संकेत है। यदि हमारी भावी पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़कर आगे बढ़ेगी तो सनातन का प्रचार होगा। अपराध कम होंगे और समृद्धि बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि यह महाकुम्भ सिर्फ युवाओं के लिए नहीं बल्कि हर वर्ग के लिए हितकारी साबित हो रहा है। लोगों की जनभावनाएं एक हो रही हैं। भारत पहले जैसा हो रहा है। लोग आध्यात्म के रंग में सराबोर हो रहे हैं। कोई ऊंच नीच नहीं, कोई भेदभाव नहीं। जैसा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस महाकुम्भ को एकता का महाकुम्भ बताया है,यह महाकुम्भ उसी का उदाहरण बन रहा है।

मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी में हर कोई बिना किसी भेदभाव के एक साथ डुबकी लगा रहा है। यहां सामाजिक समरसता का अद्भुत मेल देखने को मिल रहा है। संगम की पवित्र भूमि से लोग यहां की मिट्टी लेकर जा रहे हैं। यह दिखाता है कि लोगों की सोच एक जैसी है। यह एकता और समरसता नए भारत का प्रतिबिंब है। यह शिखर की ओर बढ़ते भारत की सकारात्मक ऊर्जा का संकेत है।

ट्रंप की धमकी के बाद मेक्सिको ने अमेरिका से लगी सीमा पर 10,000 सैनिकों को किया तैनात

सियुदाद जुआरेज़(मेक्सिको)। मेक्सिको के 'नेशनल गार्ड' सैनिक और सेना के कई ट्रक सियुदाद जुआरेज़ और टेक्सास के एल पासो को अलग करने वाली सीमा पर बुधवार को देखे गए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुल्क लगाने की धमकियों के बाद मेक्सिको ने अपने उत्तरी सीमा पर 10,000 सैनिक भेजे हैं। सियुदाद जुआरेज़ के बाहरी इलाके में नकाबपोश और हथियारबंद राष्ट्रीय गार्ड के सदस्य अवरोधकों के साथ झाड़ियों के बीच से गुजरते देखे गए। तिजुआना के पास भी सैनिकों की गश्ती देखी गई। भारी शुल्क लगाने की ट्रंप की घोषणा के बाद यह घटनाक्रम हुआ है।

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने वादा किया कि वह सीमा को सुदृढ़ करने और मादक फेंटेनाइल की तस्करी रोकने के लिए देश के नेशनल गार्ड सैनिकों को सीमा पर तैनात करेंगी। पिछले एक साल में अवैध प्रवासन में कमी आने और फेंटेनाइल(दर्द निवारक के रूप में उपयोग की जाने वाली दवा) के अत्यधिक सेवन में उल्लेखनीय गिरावट आने के बावजूद ट्रंप ने सीमा पर आपात स्थिति घोषित कर दी है। मेक्सिको सरकार के एक बयान के अनुसार, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने लैटिन अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान, सीमा पर सैनिकों की तैनाती के लिए मेक्सिको सरकार का आभार जताया था।

विरोध

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि के साथ गुरुवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर यूजीसी के मसौदा नियमों के खिलाफ डीएमके छात्र विंग के विरोध प्रदर्शन के दौरान।

पाकिस्तान से पहली बार महाकुंभ आए 50 लोग सनातन संस्कृति देखकर अभिभूत हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभनगर। सोशल मीडिया पर महाकुंभ की दिव्यता के बारे में देख-सुनकर पाकिस्तान के सिंध प्रांत के हिंदू श्रद्धालु खुद को यहां आने से रोक न सके। बृहस्पतिवार को सिंध से 68 हिंदू श्रद्धालुओं का एक जत्था प्रयागराज पहुंचा। सेक्टर-9 में स्थित श्रीगुरुकार्ष्णि के शिविर में 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में सिंध से आए गोबिंद राम माखीजा ने बताया, हमने जब से महाकुंभ मेले के बारे में सुना है, तब से हमारी इच्छा थी कि हम यहां आएं। हम खुद को यहां आने से रोक नहीं सके। मखीजा ने कहा, पिछले वर्ष अप्रैल माह में 250 लोग पाकिस्तान से प्रयागराज आए थे और गंगा में डुबकी लगाई थी। इस बार सिंध के छह जिलों-गोटकी, सक्कर, खैरपुर, शिकारपुर, कर्जकोट और जटाबाल से 68 लोग प्रयागराज पहुंचे हैं, जिनमें करीब 50 लोग पहली बार महाकुंभ में आए हैं।

माखीजा ने कहा, यहां अजब आनंद आ रहा है, बेहद खुशी हो रही है... यहां का अनुभव बयां करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। कल हम गंगा में डुबकी लगाएंगे। यहां आने पर हमें सनातन धर्म में जन्म लेने के गौरव की अनुभूति हो रही है। सिंध प्रांत के गोटकी से आई 11वीं कक्षा की छात्रा सुरभि ने बताया कि वह पहली बार भारत आई है। उसने कहा, यहां पहली बार हमें अपने धर्म को गहराई से देखने-जानने का मौका मिल रहा है। बहुत अच्छा लग रहा है।

वहीं, सिंध से आई प्रियंका ने कहा, मैं पहली बार भारत और इस महाकुंभ में आई हूं। यहां अपनी संस्कृति को देखकर बहुत दिव्य अनुभव हो रहा है। मैं गृहणी हूं और भारत आना मेरा सबसे बड़ा सौभाग्य है। हम पैदा ही वहां हुए और मुस्लिमों के बीच ही रहे। सिंध प्रांत में हिंदुओं के साथ बहुत भेदभाव नहीं है, जैसा कि मीडिया दिखाती है। लेकिन अपनी संस्कृति को जानने का मौका हमें यहां आकर मिल रहा है। भारत में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर अपने विचार प्रकट करते हुए सक्कर जिले से आए निरंजन चावला ने कहा, सिंध में ऐसा माहौल नहीं है कि लोग भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करें। लेकिन राजस्थान (पाकिस्तान के हिस्से वाला) जैसे कुछ इलाकों में हिंदुओं के लिए थोड़ी मुश्किलें हैं।

निर्माण क्षेत्र में काम करने वाले चावला ने कहा, मैं भारत सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि वीजा जारी करने की प्रक्रिया थोड़ी आसान की जाए। अभी वीजा मिलने में छह महीने लग जाते हैं। हालांकि, यहां आए जत्थे को सरलता से वीजा दिया गया, जिसके लिए हम भारत सरकार को धन्यवाद देते हैं। चावला ने बताया, कल रात हम महाकुंभ के इस शिविर में आए और आठ फरवरी को यहां से रायपुर जाएंगे, जिसके बाद हम हरिद्वार की यात्रा करेंगे। हमारे जत्थे में लोग छह अस्थि कलश लेकर आए हैं, जिन्हें वे हरिद्वार में विसर्जित करेंगे।

ट्रंप की नीतियों, एलन मस्क के खिलाफ अमेरिका के कई शहरों में प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन की शुरुआती कार्रवाइयों के खिलाफ बुधवार को अमेरिका के कई शहरों में लोग सड़कों पर एकत्र हुए और विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप प्रशासन की ओर से प्रवासियों के खिलाफ निर्वासन की कार्रवाई से लेकर ट्रांसजेंडर अधिकारों को वापस लेने और गाजा पट्टी से फलस्तीनियों को जबरन स्थानांतरित करने के प्रस्ताव की निंदा की। फिलाडेल्फिया, कैलिफोर्निया, मिनेसोटा, मिशिगन, टेक्सास, विस्कॉन्सिन, इंडियाना और कई अन्य शहरों में प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की निंदा करते हुए पोस्टर लहराए। ओहायो के कोलंबस में स्टेटहाउस के बाहर विरोध-प्रदर्शन में शामिल मार्गरेट विल्मेथ ने कहा, मैं पिछले दो सप्ताह में लोकतंत्र में हुए बदलावों से चकित हूं, लेकिन यह बहुत पहले शुरू हो गया था। विल्मेथ ने कहा कि वह सिर्फ प्रतिरोध में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश कर रहे हैं। विरोध-प्रदर्शन सोशल मीडिया पर हैशटैग 'बिल्डदरेजिस्टेंस' और हैशटैग '50501' के तहत चलाए गए एक ऑनलाइन आंदोलन का परिणाम था। हैशटैग '50501' के तहत एक दिन में 50 राज्यों में 50 विरोध-प्रदर्शन करने का आह्वान किया गया था।

सोशल मीडिया पर कई वेबसाइट और अकाउंट पर 'फासीवाद को अस्वीकार करें' और 'हमारे लोकतंत्र की रक्षा करें' जैसे संदेशों के साथ कार्रवाई का आह्वान किया गया। जमा देने वाली ठंड में भी मिशिगन की राजधानी लांसिंग के बाहर सैकड़ों लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। एन आर्बर क्षेत्र की कैटी मिग्लिएट्टी ने कहा कि वित्त विभाग के डेटा तक मस्क की पहुंच विशेष रूप से चिंताजनक है। उन्होंने एक चित्र थाम रखा था, जिसमें मस्क को ट्रंप को कठपुतली की तरह नचाते हुए दिखाया गया है।

मिग्लिएट्टी ने कहा, अगर हम इसे नहीं रोकते हैं और संसद से कुछ करने के लिए नहीं कहते हैं, तो यह लोकतंत्र पर हमला है। कई शहरों में प्रदर्शन के दौरान मस्क और सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) की आलोचना की गई। मिसौरी की राजधानी जेफरसन में सीढ़ियों पर लगाए गए एक पोस्टर में लिखा था, डीओजीई वैध नहीं है। इसमें सवाल किया गया था कि एलन मस्क के पास हमारी सामाजिक सुरक्षा की जानकारी क्यों है। संसद सदस्यों ने भी चिंता व्यक्त की है कि अमेरिकी सरकार की भुगतान प्रणाली के साथ डीओजीई की भागीदारी से सुरक्षा जोखिम हो सकता है या सामाजिक सुरक्षा और मेडिकेयर जैसे कार्यक्रमों के भुगतान में चूक हो सकती है। अलबामा में 'एलजीबीटीक्यू-प्लस' लोगों को निशाना बनाने वाली कार्रवाइयों का विरोध करने के लिए सैकड़ों लोग स्टेटहाउस के बाहर एकत्र हुए। मंगलवार को अलबामा के गवर्नर के इवे ने घोषणा की थी कि वह उस कानून पर हस्ताक्षर करेंगे, जो केवल दो लिंग को मान्यता देता है। इवे की यह घोषणा संघीय सरकार द्वारा लिंग को केवल पुरुष या महिला के रूप में परिभाषित करने से जुड़े ट्रंप के हालिया कार्यकारी आदेश के समरूप है।

महाकुंभ पहुंचीं अभिनेत्री ईशा गुप्ता, लगाई आस्था की डुबकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

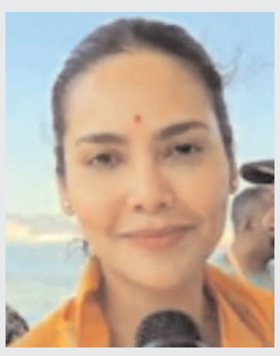

प्रयागराज। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में फिल्म जगत के तमाम सितारे आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। महाकुंभ पहुंचने वाले सितारों की सूची में अभिनेत्री ईशा गुप्ता का भी नाम शामिल हो चुका है। अभिनेत्री गुरुवार को महाकुंभ पहुंचीं। व्यवस्था को लेकर उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार की सराहना भी की। अभिनेत्री ने कहा, मुझे संगम आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यहां यूपी सरकार ने काफी अच्छी व्यवस्था की है। मैंने सोशल मीडिया पर एक रील देखी थी, जिसमें एक बुजुर्ग महिला खो गई थी। हम बचपन से सुनते आ रहे हैं कि यहां इतनी भीड़ होती है कि लोग यहां आकर खो जाते हैं। मगर सरकार ने इतनी अच्छी व्यवस्था की है कि जो खोए, वे फिर से अपने परिवार को मिल गए।

अपनी मां के साथ महाकुंभ पहुंचीं अभिनेत्री ने व्यवस्था के लिए पीएम मोदी और सीएम योगी की सराहना करते हुए युवाओं को खास संदेश भी दिया। उन्होंने कहा, आप किसी भी धर्म से हों, बस खुद को लेकर ईमानदार रहें। वदिश से भी लोग यहां स्नान के लिए आ रहे हैं, तो आप भी आइए।

वेब सीरीज 'आश्रम' फेम अभिनेत्री ईशा गुप्ता से जब पूछा गया कि फिल्मी हस्तियां भी महाकुंभ में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं तो क्या यह केवल एक ट्रेंड हैं? इस पर उन्होंने कहा, एक्टर्स का काम एक्टिंग करना है न कि दूसरों पर कमेंट करना। मैं यहां एक भारतीय व सनातनी की हैसियत से आई हूं, तो यही कहूंगी कि आप भी यहां आइए।

अभिनेत्री ईशा गुप्ता से पहले पूनम पांडे, किटू गिडवानी, फिल्म निर्माता कबीर खान, कॉमेडियन अभिनेता सुनील ग्रोवर, गायक अभिनेता गुरु रंधावा, अविनाश तिवारी, अनुपम खेर, भाग्यश्री, रेमो डिसूजा, सिद्धार्थ निगम, प्रियंका चोपड़ा की मां मधु चोपड़ा, तनीषा मुखर्जी, ममता कुलकर्णी समेत कई मशहूर हस्तियां इस भव्य आध्यात्मिक समागम में भाग ले चुकी हैं।

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और अभिनेता अभिषेक बच्चन गुरुवार को मुंबई में आईएसपीएल सीजन 2 के मैच के दौरान।

अनावरण

गुजरात जायंट्स की खिलाड़ी शबनम शकील और हरलीन देओल, हेड कोच माइकल क्लिंगर और चीफ बिजनेस ऑफिसर संजय अडेसरा के साथ गुरुवार को अहमदाबाद में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) सीजन 3 से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टीम की जर्सी का अनावरण करते हुए।

फिल्म 'छावा' रिलीज से पहले घृष्णेश्वर मंदिर पहुंचे विक्की कौशल

मुंबई/एजेन्सी

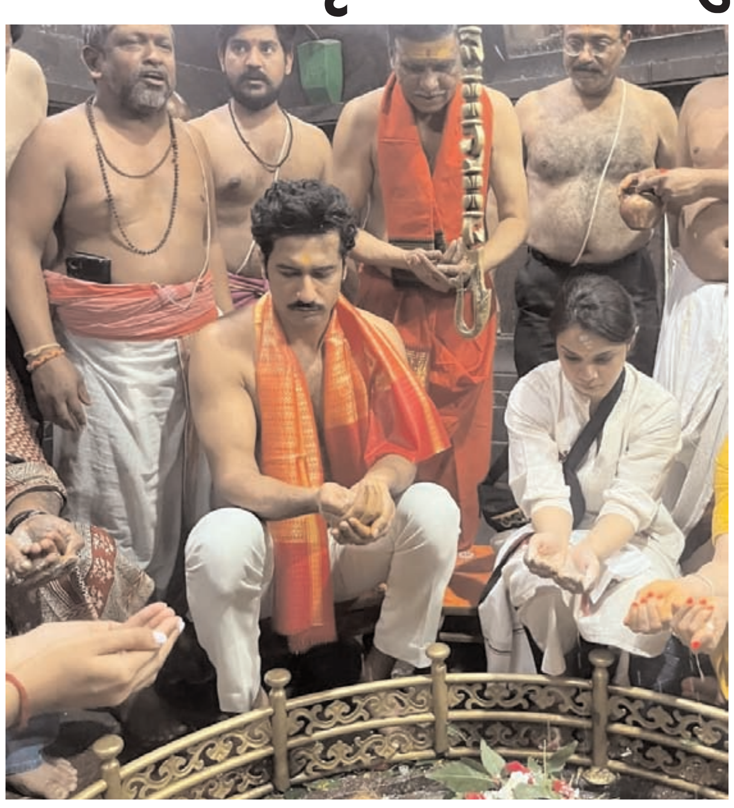

अभिनेता विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। अभिनेता गुरुवार को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में स्थित बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक घृष्णेश्वर मंदिर पहुंचे और फिल्म की सफलता के लिए आशीर्वाद लिया। 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार फिल्म 'छावा' के प्रमोशन के लिए निकलने से पहले अभिनेता ने छत्रपति संभाजीनगर में श्री घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर भगवान शिव की शक्ति को नमन कर सफलता के लिए आशीर्वाद लिया। सामने आई तस्वीरों और वीडियोज में विक्की कौशल मंदिर के पुजारियों के मार्गदर्शन में पूजा-पाठ करते नजर आए।

मंदिर जाने के लिए अभिनेता ने मरून कलर के कुर्ते के साथ व्हाइट कलर के पायजामा का चयन किया। वहीं, मंदिर के गर्भगृह में उन्होंने पायजामा के साथ पटका या अंगवस्त्रम डाला। उन्होंने माथे पर पीले रंग का त्रिपुंड भी लगा रखा था। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी 'छावा' में विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं। फिल्म में विक्की कौशल छत्रपति संभाजी महाराज और महारानी येसुबाई की भूमिका में रश्मिका मंदाना नजर आएंगी।

फिल्म निर्माताओं ने गुरुवार को 'जाने तू' के बाद दूसरा ट्रैक 'आया रे तूफान' भी जारी कर दिया। गाने को एआर रहमान ने कंपोज करने के साथ गाया भी है। गाने को विक्की कौशल और निर्देशक लक्ष्मण उतेकर ने संभाजीनगर में लॉन्च किया। गाने के बारे में विक्की ने कहा, आया रे तूफान' शानदार है। छावा के सेट पर मौजूद हर एक व्यक्ति ने छत्रपति संभाजी महाराज की विरासत का सम्मान करने के लिए दिल से काम करने के साथ खून और पसीना बहाया है। 'आया रे तूफान' हमारे लिए सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी थी।

उन्होंने आगे कहा, एआर रहमान सर ने अपनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली रचना और दमदार आवाज से इस गाने को सशक्त बनाया है, जो बेमिसाल है। छत्रपति संभाजीनगर में इसे लॉन्च करना, एक ऐसी भूमि जो उनके नाम और उनके बलिदान के लिए जानी जाती है, हमारे लिए सम्मान की बात है। फिल्म में विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना के साथ अक्षय खन्ना भी अहम भूमिका में हैं। 'छावा' 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पूजा हेगड़े बच्चों की फिल्म में करना चाहती हैं काम

नई दिल्ली/एजेन्सी

अभिनेत्री पूजा हेगड़े हालिया रिलीज 'देवा' में शाहिद कपूर के साथ नजर आईं। अभिनेत्री ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बताया कि वह बच्चों की फिल्म के साथ ही एक्शन फिल्म में भी काम करना चाहती हैं। वह फिल्म में 'सुपरहीरो' का किरदार भी निभाना चाहती हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वह एक्शन, बच्चों की फिल्म और सुपरहीरो के तौर पर भी फिल्म में काम करना चाहती हैं। अभिनेत्री ने बताया, मैं एक एक्शन फिल्म करना चाहती हूं जिसमें मैं एक्शन करना चाहती हूं। मुझे दिलचस्प किरदार निभाना पसंद है। मैं पिता-बेटी या मां-बेटी की कहानी के साथ दोस्ती जैसे विषयों पर बनी फिल्मों में काम करना भी पसंद करूंगी। पूजा ने बताया कि वह बच्चों की फिल्म करना चाहती हैं, क्योंकि देश में इस शैली पर ज्यादा काम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, मैं बच्चों के लिए कुछ करना चाहती हूं क्योंकि बचपन से ही मुझे 'हैरी पॉटर' और जादू से जुड़ी कुछ फिल्में देखना बहुत पसंद है। यह एक ऐसी शैली है, जिसे हमने भारत में बहुत ज्यादा नहीं अपनाया। मैं किसी दिन 'कैप्टन मार्वल' जैसी कहानी भी करना चाहूंगी, जिसमें मैं 'सुपरहीरो' की भूमिका में नजर आऊंगी। अभिनेत्री ने बताया कि पर्दे पर महिला कलाकारों के लिए अच्छी भूमिका का होना जरूरी है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अपनी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा पूरी निष्ठाभावना से की जानी चाहिए। जिनकी संस्कृति सुरक्षित रहती है, सिर्फ उनका ही धर्म और समाज जिंदा रहता है। चीन, इज़रायल, जर्मनी, जापान और खाड़ी के देशों को अपनी संस्कृति पर बहुत नाज़ है। वे अपने परिधान, खानपान, भाषा, संस्कार और रीति-रिवाजों को सदियों से बरकरार रखे हुए है। भारत का आधुनिक समाज अपनी संस्कृति और महान संस्कारों को भूलते जा रहा है। मानो न मानो, पर यह सच है कि सांस्कृतिक पतन कत्लखानों से भी अधिक खतरनाक है। पशु कभी अपनी कत्ल के लिये कतारों में खड़े नहीं होते। भारत का आधुनिक मनुष्य तो अपनी कत्ल के लिये कतारों में खड़ा है।

दादी परिवार ने बसंत पंचमी पर आयोजित किया राणीसती दादी का मंगल पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। स्थानीय दादी परिवार द्वारा मासिक कीतन व बसंत पंचमी के मौके पर राणी सती दादी का मंगल पाठ गणेश मन्दिर रायपुरम में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस मौके पर महिलाओं ने एक से बढ़कर एक भजन गाए। दादी परिवार की अध्यक्ष शीलाशाह, सरोज पित्ती, मीनाक्षी, मधु चौधरी, सरिता तुलस्यान, बीरा कामदार, चंदा डीडवानिया, सुमन गुप्ता उपस्थित रही। महिलाओं ने दादी का मंगल पाठ महोत्सव मनाया।

पच्चीस बोल प्रतियोगिता में 43 प्रतिभागियों ने लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर तेरापंत भवन में आचार्यश्री महाश्रमणजी द्वारा नववर्ष के उपलक्ष्य में प्रदत इंगितानुसार 25 बोल की क्लास साध्वीश्री सिद्धप्रभाप्रभाजी के सान्निध्य में गत एक महीने से चल रही थी। बुधवार शाम को साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा परिक्रमा 25 बोल की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साध्वीश्री ने 25 बोल की महत्ता के बारे में बताया। प्रतियोगिता में सात ग्रुप कायोत्सर्ग ग्रुप,अंतरयात्रा ग्रुप, दीर्घस्वास ग्रुप, संवृति स्वास ग्रुप, लेश्या ध्यान ग्रुप, चैतन्यकेंद्र प्रेक्षा ग्रुप, अनुप्रेक्षा ग्रुप में लगभग 43 प्रतिभागियों ने भाग लिया। साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी एवं दीक्षाप्रभाजी द्वारा 7 अलग-अलग टाइप के राउंड में प्रतियोगिता संपन्न कराई गई।

इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर चैतन्य केंद्र प्रेक्षा ग्रुप, द्वितीय स्थान पर संवृति स्वास ग्रुप एवं तृतीय स्थान पर अनुप्रेक्षा ग्रुप रहा। सभी विजेता ग्रुप्स को परिषद परिवार द्वारा पुरस्कृत किया गया। परिषद अध्यक्ष कमलेश झाबक ने सभी का स्वागत किया।

ज्ञानशाला से मंजू दक ने साध्वीश्रीजी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। इस कार्यक्रम में परिषद उपाध्यक्ष देवेंद्र आंचलिया, सहमंत्री प्रथम नवरतन बोल्या, किशोरमण्डल संयोजक जिंनेश धोका, सहसंयोजक नीव चौधरी, महावीर देरासरिया का विशेष श्रम रहा। सभा अध्यक्ष गौतम दक, सभा मंत्री हेमराज मांडोत, परिषद परामर्शकप्रकाश बोल्या, परिषद के पूर्व अध्यक्ष गौतम खाब्या, महावीर चावत, उपाध्यक्ष प्रथम राहुल मेहता, संगठनमंत्री संदीप बाबेल,सज्जनराज कटारिया,महावीर कटारिया सहित अच्छी संख्या में श्रावक-श्राविका समाज की उपस्थिति रही।

केपी आनंद ने लेखा परीक्षा महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वर्ष 1996 बैच के आईएएएस केपी आनंद ने गत दिनों भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग, चेन्नई के महानिदेशक लेखा परीक्षा (केंद्रीय) के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने वर्ष 1994 में मद्रास वेटरनरी कॉलेज से स्नातक किया था। यह पदभार संभालने से पहले, उन्होंने तमिलनाडु और पुदुचेरी में प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा-खख), केरल में प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा-खख), पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में लेखा परीक्षा के प्रधान निदेशक और असम में महालेखाकार (लेखा परीक्षा) के रूप में कार्य किया है। उन्होंने आंध्र प्रदेश लिमिटेड की दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी में निदेशक (वित्त) के रूप में भी काम किया है।

उनके अंतरराष्ट्रीय लेखा परीक्षा कार्यों में मनीला और जिनेवा में अंतराष्ट्रीय प्रवासन संगठन, जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय कंप्यूटिंग केंद्र, उष्णकटिबंधीय रोगों में अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यक्रम (टीडीआर), जिनेवा में विश्व स्वास्थ्य संगठन, वियना में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय और ट्यूरिन में संयुक्त राष्ट्र अंतरक्षेत्रीय अपराध और न्याय अनुसंधान शामिल हैं। उनकी रुचि के क्षेत्रों में कला और साहित्य के विभिन्न रूप शामिल हैं।

फ्रीडम हैल्दी कुकिंग ऑयल्स ने बंपर ड्रॉ के विजेताओं को दिए पुरस्कार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। खाद्य तेलों के अग्रणी ब्रांड फ्रीडम हैल्दी कुकिंग ऑयल्स ने बेंगलूरु के लिए 'गो फॉर फ्रीडम गोल्ड ऑफर' के बंपर ड्रॉ विजेताओं की घोषणा की। इसके तहत एक भाग्यशाली विजेता को 50 ग्राम सोने का सिक्का, जबकि दो विजेताओं को 10 ग्राम सोने के सिक्के मिले हैं। अभिनेत्री आशिका रंगनाथ ने विजेताओं को ये पुरस्कार दिए।

बता दें कि त्योहारी सीजन के दौरान ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए प्रमोशनल स्कीम शुरू की गई थी। इसमें कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा और छत्तीसगढ़ को शामिल किया गया था। इनमें 100 उपभोक्ताओं को प्रतिदिन 1 ग्राम सोना जीतने के साथ ही बंपर ड्रॉ में भाग लेने का मौका भी मिला था। इस योजना को सभी राज्यों से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली थी।

इस अवसर पर जेमिनी एडिबल्स एंड फैट्स इंडिया लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (सेल्स एंड मार्केटिंग) पी चंद्रशेखर रेड्डी ने कहा, 'हम हमेशा अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित उत्पाद उपलब्ध कराने से आगे देखने के उत्साह से प्रेरित रहे हैं।

इस ऑफर से लोगों में खुशी की लहर है। हमें खुशी है कि इससे अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोगों को पुरस्कार मिले हैं। हम सभी भाग्यशाली विजेताओं को बधाई देना चाहते हैं। उन सभी ग्राहकों को धन्यवाद देना चाहते हैं, जिन्होंने इस योजना में भाग लिया और इसे सफल बनाया।'

फ्रीडम हैल्दी कुकिंग ऑयल्स के जीएम (मार्केटिंग) चेतन पिंपलखुटे ने कहा, 'हमारा मिशन ऐसे खाद्य तेल उपलब्ध कराकर ज्यादा हैल्दी खाना पकाने की आदतों को प्रेरित करना है, जो न सिर्फ पोषक तत्त्वों से भरपूर हों, बल्कि हृदय के स्वास्थ्य को भी बढ़ावा दें। मैं सभी भाग्यशाली विजेताओं को बधाई और ग्राहकों को धन्यवाद देना चाहता हूं।'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

देवी वार्षिकोत्सव

बेंगलूरु के अप्तामित्रा अणम्मा सेवा समिति नागरभावी द्वारा अणम्मा देवी वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

निर्माणाधीन इमारत में आग लगने से एक मजदूर की मौत, एक घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मादनायकनहल्ली के पास कडबूकेरे क्रॉस में बन रही चार मंजिला इमारत में आग लग गई जिसमें जल कर एक मजदूर की मौत हो गई और एक अन्य घायल बताया जा रहा है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सतीश नामक व्यक्ति की इस बिल्डिंग में निर्माण कार्य चल रहा था तथा मजदूर भी वहीं रह रहे थे।

अनुमान है कि मजदूर द्वारा खाने बनाने में उपयोग आने वाले गैस सिलेंडर में कोई गैस रिसाव होगा और बेल्डिंग करने वालों की चिंगारी से गैस ने आग पकड़ ली होगी। अभी तक आग के सही कारणों का पता नहीं चला है। पुलिस व अग्निशमकदल तहकीकात में लगी है।

शरीर की स्थिरता के बिना ध्यान में उतरना संभव नहीं है : मुनिश्री मोहजीत

प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रेक्षाध्यान कल्याण वर्ष के अवसर पर प्रेक्षा फाउंडेशन के तत्वावधान में विजयनगर प्रेक्षाध्यान केन्द्र द्वारा प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन विजयनगर स्थित अर्हम भवन मे मुनिश्री मोहजीतकुमारजी के सान्निध्य में किया गया। विजयनगर प्रेक्षाध्यान केन्द्र के सदस्यों द्वारा मंगलाचरण के रूप में आचार्यश्री महाप्रज्ञजी द्वारा रचित गीत 'देव दो हस्तावलंबन आत्म का साक्षात पाऊं' गीत का गान किया गया।

तदुपरांत प्रेक्षा प्रशिक्षक साउथ संयोजिक एवं विजयनगर प्रेक्षाध्यान केन्द्र की संयोजिका वीणा बैद द्वारा अर्हम मन्त्र पर ध्यान का विशेष प्रयोग कराया गया। मुनिश्री मोहजीतकुमारजी ने कार्यशाला के विषय 'आत्मसाक्षात्कार का आधार प्रेक्षाध्यान' विषय पर कहा कि प्रेक्षाध्यान द्वारा आत्मा की साधना करने से पूर्व अपने शरीर को साधना अति आवश्यक है। शरीर की स्थिरता के बिना ध्यान में उतरना संभव नहीं है।

उन्होंने कार्यशाला मे उपस्थित श्रावक श्रविकाओं को प्रेक्षा प्रणेता आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के इस महत्वपूर्ण अवदान को अपने जीवन मे उतारकर इसके नियमित अभ्यास की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन प्रेक्षा प्रशिक्षक छत्रसिंह मालू ने किया तथा आभार ज्ञापन महिमा पटावरी ने किया।

सिडबी ने अपना पहला एमएसएमई आउटलुक सर्वेक्षण शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने अपना पहला एमएसएमई आउटलुक सर्वेक्षण शुरू किया है, जो अक्टूबर-दिसंबर 2024 की अवधि के लिए एमएसएमई कारोबारी भावना का त्रैमासिक विश्लेषण है।

विनिर्माण, सेवा और व्यापार क्षेत्रों के 1,200 एमएसएमई के अखिल भारतीय सर्वेक्षण पर आधारित यह रिपोर्ट बिक्री वृद्धि, लाभप्रदता, रोजगार के रुझान, वित्तीय पहुंच, निधियों की लागत और व्यापार करने में आसानी सहित 22 महत्त्वपूर्ण मापदंडों पर कारोबारी भावना को दर्शाती है।

सर्वेक्षण में भारत के 77 शहरों (टियर 1, 2 और 3) और 66 गांवों को शामिल किया गया, जिससे एमएसएमई का विविध प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हुआ। प्रमुख निष्कर्ष एमएसएमई के बीच मजबूत कारोबारी आत्मविश्वास का संकेत देते हैं। खासकर विनिर्माण क्षेत्र में, जो आगामी तिमाहियों के लिए बिक्री, लाभप्रदता, कुशल श्रम की उपलब्धता और वित्त तक पहुंच में आशावाद को दर्शाता है।

इसके अलावा रिपोर्ट में एमएसएमई में डिजिटलीकरण और स्थिरता उपायों में लगातार वृद्धि पर प्रकाश डाला गया है। सिडबी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मनोज मित्तल ने कहा, 'एमएसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था की महत्त्वपूर्ण नींव और सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन लाने के लिए एक शक्तिशाली साधन के रूप में कार्य करते हैं। सिडबी ने हमेशा भारत की विकास गाथा में एमएसएमई के योगदान को स्वीकार किया है। यह वित्तीय और गैर-वित्तीय, दोनों पहलों के जरिए इस क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।'

उन्होंने कहा, 'भारत सरकार द्वारा क्षेत्र को दिया गया महत्त्व इस तथ्य से भी स्पष्ट होता है कि हाल में केंद्रीय बजट में इसे अर्थव्यवस्था के चार विकास इंजनों में से एक के रूप में रेखांकित किया गया है। इस सर्वेक्षण के जरिए एमएसएमई पर गुणवत्तापूर्ण जानकारी का निरंतर प्रवाह सभी हितधारकों को वर्तमान कारोबारी माहौल का मूल्यांकन करने और अपने दृष्टिकोण को बेहतर बनाने में मदद करेगा।'

साध्वीश्री पुण्ययशा का चातुर्मास आरआर नगर तेरापंथी सभा में घोषित

पदाधिकारियों ने किए साध्वीश्री के दर्शन, की विहार चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्यश्री महाश्रमणजी ने कृपा कर साध्वीश्री पुण्ययशाजी का वर्ष 2025 का चातुर्मास राजराजेश्वरीनगर तेरापंथ सभा को प्रदान किया है। चातुर्मास की घोषणा के साथ ही पूरे क्षेत्र में हर्ष की लहर व्याप्त हो गई। गुरुवार को आरआर नगर के तेरापंथी सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ अपनी टीम के साथ साध्वीवृन्द के दर्शन हेतु पुणे-बेंगलूरु हाइवे स्थित हाट्टारगी गांव पहुंचे।

साध्वीश्री के दर्शन कर पदाधिकारियों ने विहार की योजना पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। पदाधिकारियों ने तैयारियों की जानकारी देकर गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। इससे पूर्व बुधवार को तेरापंथ सभा राजराजेश्वरी नगर की सभी संघीय संस्थाओं के साथ कार्य योजना बनाने हेतु एक बैठक रखी गई थी। वापसी में सभी पदाधिकारियों ने हुब्बल्ली में विराजित मुनिश्री पुलकितकुमारजी के दर्शन-सेवा का लाभ लिया।

प्रदर्शन

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और अन्य विपक्षी नेताओं ने गुरुवार को नई दिल्ली में संसद भवन के मकर दिवस पर अमेरिका से कथित अवैध भारतीय प्रवासियों के निर्वासन को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

घाव पर टांके लगाने के बजाय 'फेवीक्विक' का इस्तेमाल करने पर नर्स निलंबित

बेंगलूरु। कर्नाटक के एक सरकारी अस्पताल में घाव पर टांके लगाने के बजाय 'फेवीक्विक' का इस्तेमाल करने वाली नर्स को निलंबित कर दिया गया। फेवीक्विक एक ऐसा रासायनिक पदार्थ है, जो दो चीजों को बेहद मजबूती से चिपका देता है। राज्य सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक में नर्स को निलंबित करने का फैसला लिया गया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवा आयुक्त कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, फेवीक्विक' एक चिपकने वाला घोल है, नियमों के तहत इसके चिकित्सा उपयोग की अनुमति नहीं है। इस मामले में, बच्चे के इलाज में 'फेवीक्विक' का इस्तेमाल करके ड्यूटी में लापरवाही बरतने के लिए जिम्मेदार स्टाफ नर्स को प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद निलंबित कर दिया गया और नियमों के अनुसार जांच लंबित है। घटना 14 जनवरी को हावेरी जिले की हनागल तालुका के अदूर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उस समय हुई, जब सात वर्षीय गुरुकिशन अन्नप्पा होसामनी को उसके माता-पिता गाल पर गहरे घाव से बहुत अधिक खून बहने के लिए लेकर गये थे।

कांग्रेस का अस्तित्व पूरे देश में कहीं नहीं है : जवाहर सिंह

जयपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राम गोपाल यादव के कांग्रेस वाले बयान पर राजस्थान सरकार के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने प्रतिक्रिया दी है। जवाहर सिंह बेढम ने बातचीत के दौरान राम गोपाल यादव के कांग्रेस वाले बयान को लेकर कहा कि वे अच्छी तरह से जानते हैं कि कांग्रेस का अस्तित्व उत्तर प्रदेश में नहीं, पूरे देश में ही कहीं नहीं है। धोखे से कहीं कोई वोटों के फेर से इधर उधर से एक आध कोई सीटें निकल के आ जाती हैं, बाकी कांग्रेस अप्रासंगिक हो गई है। इनके नेताओं और कार्यकर्ताओं को कोई गंभीरता से नहीं लेता है। इनके पास कोई विजन नहीं है। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने दिल्ली चुनाव और एग्जिट पोल को लेकर दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी से परेशान हो चुकी है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.